हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शुक्रवार, 29 नवंबर 2024 | अंक 47 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ से परेशान हो ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस * इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल बॉनकाईटस * कॉरपुलमानेल (कार्डियल) पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

दिल्ली के प्रशांत विहार में बड़ा धमाका

जांच में पुलिस को मिला सफेद पाउडर

नई दिल्ली.

दिल्ली के प्रशांत विहार स्थित क्राइम ब्रांच कार्यालय और मारग्रेट स्कूल से कुछ कदम की दूरी पर पार्क की दीवार पर धमाका हुआ। यह धमाका गुरुवार की सुबह 11 बजकर 48 मिनट पर हुआ। इसकी जानकारी पुलिस को पीसीआर कॉल से मिली। प्रशांत विहार में क्राइम ब्रांच के कार्यालय के पास धमाके के बाद पुलिस ने इलाके की नाकेबंदी कर दी। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से सफेद पाउडर भी मिला है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। धमाके के बाद स्थानीय पुलिस के अलावा अब इसकी जांच करने के लिए एनएसजी और एनआईए की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। इसके अलावा स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच, बॉम्ब डिस्पोजल टीम, लोकल पुलिस भी जुट गई है।

धमाका प्रशांत विहार के वीर सावरकर पार्क के फुटपाथ के पास हुआ है। धमाके में वाहन चालक को मामूली चोट लगी है। यहां पर वीर सावरकर पार्क के पास ही में सेंट मारग्रेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल है। एक अजय नाम के यूजर्स ने बताया कि घटनास्थल से 20 मीटर की दूरी पर उनका घर है। धमाके की आवाज सुनकर बाहर निकले तो सामने सड़क किनारे टेम्पों के पास से धुआं उठ रहा था।

तभी देखा कि टेम्पो चालक चेतन आंख बंद कर खड़ा था। उसके होंठ और चेहरे पर चोट के निशान थे। चेहरे से खून निकल रहा था। उसे अपनी बाइक पर अस्पताल ले जाने के लिए जैसे ही बिठाया। तभी पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और घायल चेतन को अपने साथ के गई। घायल चालक चेतन बादली में परिवार के साथ रहते हैं। एक साल पहले इनकी शादी हुई है।

चेतन मूलरूप से मध्यप्रदेश के भिंड मुरैना का रहने वाला है। घटनास्थल से 20 मीटर की दूरी पर रहने वाले प्रेम किशोर का एक साल से टेम्पो चलाते हैं।

एक महीना पहले भी हो चुका है धमाका

इससे पहले इसी साल अक्टूबर महीने में ही दिल्ली में रोहिणी सेक्टर-14 के प्रशांत विहार स्थित सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास तेज धमाका हुआ था। उस घटना की जांच दिल्ली पुलिस आतंकी समेत सभी पहलुओं पर कर रही है।

धमाके से दुकानों और कारों के शीशे टूटे

धमाका ऐसा था कि तीन-चार किलोमीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी और करीब 20 मिनट तक हवा में सफेद धुएं का गुबार फैला रहा। धमाके से आसपास की कई दुकानों, कार्यालयों व कारों के शीशे टूट गए।

सीएम तय करने दिल्ली पहुंचे अजित पवार

नई दिल्ली. महाराष्ट्र के नए सीएम का नाम तय करने के लिए महायुति के नेता दिल्ली में जुट रहे हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संग होने वाली बैठक में हिस्सा लेने के लिए अजित पवार दिल्ली पहुंच चुके हैं. महाराष्ट्र में ताबड़तोड़ जीत के बाद अजित पवार की नजरें अब एनसीपी के लिए राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने पर भी टिकी हैं.

खबरें! एक नजर में!!

नगालैंड में महसूस हुए भूकंप के झटके

नई दिल्ली. नगालैंड में सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस वजह से डरे-सहमे लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, गुरुवार सुबह सात बजकर 22 मिनट पर नगालैंड के किफिरे में भूकंप आया। इसकी रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 3.8 मापी गई। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

राजनाथ सिंह 8 से 10 दिसंबर तक रूस यात्रा पर

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 8-10 दिसंबर को रूस यात्रा पर जाएंगे। मॉस्को और कैलिनिनग्राद का दौरा करके 9 दिसंबर को गाइडेड-मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस तुशील को भारतीय नौसेना के बेड़े में शामिल करेंगे। यह युद्धपोत भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे चार फ्रिगेट में से पहला होगा। इसके शामिल होने से इंडो-पैसिफिक में उभरती रणनीतिक चुनौतियों के बीच इससे भारत की नौसैनिक शक्ति को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

वंदे भारत पर फिर हुआ पथराव

नई दिल्ली. देहरादून से आनंद विहार जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या- 22458) पर बुधवार को पथराव किया गया। यह घटना मेरठ से मोदीनगर आते समय स्टेशन से लगभग 5 किलोमीटर पहले घटी, जब कुछ असमाजिक तत्वों ने ट्रेन के ई1 और सी4 कोच पर पत्थर फेंके। इस पथराव के कारण ट्रेन के शीशे टूट गए। हालांकि, किसी प्रकार के जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। मामले में एफआईआर दर्ज की गई। यह ट्रेन मोदीनगर से सुबह करीब 11 बजे गुजरती है। इस ट्रेन को पत्थरबाज लगातार निशाना बना रहे हैं।

फरवरी तक 18 ट्रेनें निरस्त

नई दिल्ली. रेलवे प्रशासन ने कोहरे का हवाला देते हुए 2 दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 तक 53 ट्रेनों का संचालन प्रभावित कर दिया है। इनमें से फरवरी तक गोरखपुर-आनंदविहार टर्मिनस साप्ताहिक सहित 18 ट्रेनें निरस्त हैं। जबकि, पाटलिपुत्र और बाघ एक्सप्रेस सहित 35 ट्रेनों के फेरे कम कर दिए गए हैं। गोरखपुर-आनंदविहार हमसफर एक्सप्रेस सप्ताह में चार दिन ही चलेगी। उसमें भी 26 दिन निरस्त ही रहेगी। दिल्ली आवागमन करने वाले लोगों की परेशानी बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट की हिमाचल प्रदेश सरकार को फटकार

नई दिल्ली. एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल विजेता खिलाड़ी पूजा ठाकुर को राज्य में प्रथम श्रेणी अधिकारी पद पर खेल कोटे के तहत नियुक्ति देने से इनकार करने पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी निराशा जताई है. कोर्ट ने कहा कि आपके सीएम को व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए था और क्या खेल और खिलाड़ियों के मामले में राज्य का ऐसा ही रवैया है.

दिल्ली में सबसे ठंडी सुबह

नई दिल्ली. मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली के तापमान में गिरावट का कारण उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही हवाएं हैं, जो पर्वतीय क्षेत्रों से ठंडक ला रही हैं. संभावना है कि शुक्रवार को तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर सकता है.

2 दिसंबर तक दिल्ली-एनसीआर में लागू रहेंगे ग्रेप-4 के प्रतिबंध

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली.

राजधानी दिल्ली और एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल ग्रेप 4 के प्रतिबंध हटाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर के इलाके में 2 दिसंबर तक ग्रेप 4 के प्रतिबंध लागू रहने का फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ग्रेप-4 को लागू करने के दौरान लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि स्कूलों को छोड़कर शेष सभी स्थानों पर ग्रेप-4 के उपाय सोमवार (2 दिसंबर) तक जारी रहेंगे। कोर्ट ने इस बीच सिएकुयें (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) को एक बैठक आयोजित करने और जीआरएपी आइवी से जीआरएपी आइआइआइ या जीआरएपी आइआइ में जाने के बारे में सुझाव देने को कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट से पता चलता है कि संबंधित अधिकारी ग्रेप चार के प्रतिबंधों को सही तरीके से लागू करने में विफल रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि हम कोर्ट कमिश्नरों की नियुक्ति को जारी रखते हैं। इनके इस सुझाव को स्वीकार करते हैं कि दिल्ली सरकार का परिवहन विभाग इनके काम को आसान बनाने के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगा। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी।

18 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप 4 के प्रतिबंध लागू

18 नवंबर से सुबह आठ बजे से ग्रेप चार की पाबंदियां लगी हुई हैं। इसके तहत दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा है। एनसीआर में सड़क, फ्लाईओवर सहित विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण कार्य पर भी रोक लगी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल के खोले जाने को इससे अलग रखा है। वहीं कोर्ट ने सोमवार को सीएक्यूएम से स्कूलों को खोले जाने पर विचार करने को कहा था। दिल्ली में गुरुवार सुबह प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी देखी गई थी और हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज की गई थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 9 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 313 दर्ज किया गया, जबकि बुधवार को सुबह 9 बजे यह 301 था। राष्ट्रीय राजधानी में धुंध की मोटी परत छाई रही।

पीएम मोदी भी हर साल चढ़ाते हैं चादर: असदुद्दीन ओवैसी

अजमेर.

दरगाह को लेकर हिंदू संगठनों के दावों ने नए विवाद को जन्म दे दिया है. हिंदुओं का दावा है कि अजमेर में ख्वाजा के दर में शिव मंदिर था. हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से दायर याचिका को अजमेर सिविल कोर्ट ने बुधवार को स्वीकार कर लिया. मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को तय की गई है. अजमेर की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका के बाद बयानों की बाढ़ सी आ गई है. दरअसल, सिविल कोर्ट ने अल्पसंख्यक मंत्रालय, दरगाह कमेटी और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग यानी एआईएस को नोटिस भेजा है. इस याचिका में रिटायर्ड जज हरबिलास सारदा की 1911 में लिखी किताब अजमेर: हिस्टॉरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का हवाला देते हुए दरगाह के निर्माण में मंदिर का मलबा होने का दावा किया गया है. साथ ही गर्भगृह और परिसर में एक जैन मंदिर होने की बात भी कही जा रही है. अब हिंदू संगठनों के दावे के बाद से इस पर सियासत तेज हो गई है.

झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत

रांची. झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की अगुवाई वाले इंडिया ब्लॉक को बड़ी जीत मिली थी. चुनाव नतीजे आने को पांच दिन हुए हैं और झारखंड को अब नई सरकार मिल गई है. राज्यपाल संतोष गंगवार ने हेमंत सोरेन को झारखंड का मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया है. हेमंत सोरेन ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली. राज्यपाल संतोष गंगवार ने हेमंत सोरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई. हेमंत चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हैं. सीएम के साथ छह से आठ मंत्रियों के भी शपथ लेने की चर्चा थी लेकिन ऐसा हुआ नहीं. रांची के मोरहाबादी मैदान में सीएम के साथ किसी मंत्री ने शपथ नहीं ली.

बिहार विधानसभा में हुआ हंगामा

सीएम नीतीश की खाली कुर्सी पर बैठने के लिए पहुंचे आरजेडी विधायक

पटना.

बिहार विधानसभा में गुरुवार को उस समय तनाव पैदा हो गया जब आरजेडी के एक विधायक ने मुख्यमंत्री के लिए आरक्षित सीट पर बैठने की धमकी दी, जिससे हंगामा शुरू हो गया. जिसके बाद सदन में मार्शल बुलाए गए और आरजेडी विधायक को बाहर कर दिया गया. जिसके बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी गुस्से में सदन से बाहर निकल आए. बिहार विधानसभा के प्रश्नकाल के बाद जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सदन से बाहर चले गए. उसके बाद आरजेडी के सीनियर नेता आलोक मेहता अपनी कुर्सी पर खड़े होकर अपनी पार्टी के बागी विधायकों के सत्ता पक्ष की सीटों पर बैठने को लेकर आपत्ति जताने लगे. मेहता ने कहा, "सदन में बैठने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए. अगर लोग अपनी इच्छा से अपनी सीटें लेंगे, तो इससे अराजकता पैदा होगी." इसको लेकर महागठबंधन के विधायक वेल में आ गए और हंगामा करने लगे. अचानक शुरू हुए इस हंगामे से स्पीकर नंदकिशोर यादव भी हैरान रह गए और उन्होंने विपक्षी सदस्यों से कहा कि जब तक वे अपनी सीटों पर वापस नहीं जाएंगे, उनकी कोई भी बात रिकॉर्ड में नहीं जाएगी.

'सामान लेकर आ मस्जिद के पास'

संभल हिंसा में ऑडियो क्लिप से बड़ा खुलासा, हथियार जुटाने का आरोप

लखनऊ.

उत्तर प्रदेश के संभल में हिंसा के दौरान अधिक लोगों को हथियारों के साथ जुटाने के संबंध में एक ऑडियो क्लिप सामने आई है. एक्सक्लूसिव रूप से इंडिया टुडे के पास वो ऑडियो क्लिप है. यह हिंसा तब भड़की थी, जब कोर्ट के आदेश पर आर्कियोलॉजिकल सर्वे की टीम मस्जिद में सर्वे के लिए पहुंची. इस दौरान भीड़ और पुलिस के बीच झड़पें हुईं, जिसमें पांच लोग मारे गए. जांच टीम ने ये ऑडियो क्लिप उनके फोन से बरामद की है, जिन्हें इस हिंसा में संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया है. इस क्लिप में, एक अज्ञात व्यक्ति को मुगल-युग की शाही जामा मस्जिद के पास अधिक लोगों को जुटाने की अपील करते सुना जा सकता है. शख्स को कहते सुना जा सकता है, "सामान लेकर आ मस्जिद के पास, मेरे भाई का घर है." दंगाइयों के ऑडियो क्लिप पर संभल पुलिस बड़ी कार्रवाई कर रही है. ऑडियो में पुलिस का कहना है कि तमंचा लाने की बात चल रही है. ऑडियो में सामने आए नामों को पुलिस ने पकड़ा है. तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनकी पहचान आमिर पठान, मोहम्मद अली और फैजान अब्बासी के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि इन तीनों ने 49 दंगाइयों के नाम भी बताए हैं, जिनकी पहचान पुलिस कर रही है. इन सभी ने आपस मे बात करके भीड़ को मस्जिद के पास आने को कहा था. पुलिस ने पहले 25 लोगों को गिरफ्तार किया है और सात एफआईआर दर्ज की हैं. समाजवादी पार्टी के सांसद जिया-उर-रहमान बर्क और स्थानीय विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल के नाम भी एफआईआर में शामिल हैं. पुलिस ने अपनी एफआईआर में आरोप लगाया है कि बर्क ने हिंसा से पहले शाही जामा मस्जिद का दौरा किया और उकसाने वाले बयान दिये, जिससे घटना घटी.

ख्वाजा गरीबनवाज की दरगाह पर मंदिर होने की जांच पर विवाद, नागपुर में विरोध तेज

नागपुर. अजमेर स्थित ख्वाजा गरीबनवाज की ऐतिहासिक दरगाह पर मंदिर होने की जांच की मांग को लेकर विष्णु गुप्ता द्वारा दायर की गई पिटिशन पर कोर्ट ने सुनवाई की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद नागपुर में कड़ा विरोध देखने को मिल रहा है। बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा नागपुर के अध्यक्ष मोहसिन ज़फर खान ने इस पिटिशन पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इसे धार्मिक सौहार्द और देश की एकता पर चोट बताया है। मोहसिन ज़फर खान ने कहा, "इस प्रकार के विवाद समाज में अशांति फैलाने का काम करते हैं। भारत की संस्कृति विविधता में एकता की मिसाल है, और इस तरह की कार्रवाइयां इस मजबूत ताने-बाने को कमजोर करने का प्रयास हैं।" उन्होंने विष्णु गुप्ता को पिटिशन वापस लेने की चेतावनी दी है और प्रशासन से अपील की है कि इस मुद्दे पर जल्द हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित करें। खान ने कहा कि धार्मिक स्थलों को लेकर विवादित मुद्दे उठाने से न केवल समुदायों में दरार बढ़ती है, बल्कि देश की समग्र शांति भी प्रभावित होती है। इस मुद्दे को लेकर नागपुर में विभिन्न समुदायों के बीच चर्चा तेज हो गई है। कई लोगों ने इसे समाज की एकता को कमजोर करने वाला कदम बताया है। प्रशासन और राजनीतिक नेताओं से उम्मीद की जा रही है कि वे जल्द से जल्द स्थिति को सामान्य बनाने के लिए ठोस कदम उठाएंगे।

देवेंद्र फडणवीस के डिप्टी नहीं बनेंगे शिंदे

शिवसेना नेता ने बता दी पूरी प्लानिंग

मुंबई.

महाराष्ट्र की नई बनने वाली सरकार में एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम नहीं होंगे। उन्होंने बुधवार को ही सीएम पद से अपना दावा छोड़ते हुए कहा था कि पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह जो भी निर्णय लेंगे, वह उन्हें और पूरी शिवसेना को स्वीकार होगा। तब से ही कयास लग रहे थे कि एकनाथ शिंदे अब डिप्टी सीएम होंगे, जबकि भाजपा से देवेंद्र फडणवीस अब मुख्यमंत्री हो सकते हैं। इस बीच शिवसेना के नेता संजय शिर्सात का कहना है कि एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे कैबिनेट का हिस्सा तो होंगे, लेकिन वह डिप्टी सीएम नहीं बनेंगे। शिवसेना के लीडर ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'एकनाथ शिंदे शायद डिप्टी सीएम नहीं बनेंगे। ऐसी जिम्मेदारी एक ऐसे नेता पर फिट नहीं बैठती, जो मुख्यमंत्री रह चुका हो।' यही नहीं उन्होंने कहा कि शिवसेना की ओर से राज्य सरकार में किसी और नेता को डिप्टी सीएम बनाया जाएगा। हालांकि उनकी ओर से यह स्पष्ट नहीं किया कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना किसे डिप्टी सीएम बना सकती है। पार्टी के शीर्ष नेता एकनाथ शिंदे ही हैं। ऐसे में किसे डिर्टी सीएम बनाया जाएगा, यह देखना दिलचस्प होगा। इस बार के विधानसभा चुनाव में एकनाथ शिंदे की शिवसेना के 57 उम्मीदवार जीते हैं। बता दें कि बुधवार की शाम को एकनाथ शिंदे ने मीडिया से बातचीत की थी।

इस दौरान उन्होंने कहा था कि में राज्य के मुख्यमंत्री से बड़ा पद लाडला भाऊ का मानता हूं, जो मुझे ढाई साल के कार्यकाल में जनता ने दिया है। उन्होंने कहा था कि मेरी पीएम नरेंद्र मोदी से बात हुई है। इस दौरान मैंने कहा कि यदि सरकार गठन में मेरे चलते कोई अवरोध है तो में अलग हट जाता हूं। उन्होंने कहा कि में नाराज नहीं हूं और ना ही अलग हूं। हम तो जनता के हितों के लिए लुड़ने वाले लोग हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि हम पूरी मेहनत से जनता के हितों के लिए काम करेंगे। हम पीएम मोदी और अमित शाह पर फैसला छोड़ते हैं। वह जिसे भी सीएम बनाएंगे, हम उसे स्वीकार करेंगे।

एक बार सीएम तय हो जाए, सब ठीक हो जाएगा: फडणवीस

इस बीच निवर्तमान उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि राज्य में महायुति एकजुट है। उन्होंने कहा, 'एक बार मुख्यमंत्री तय हो जाने के बाद, वह व्यक्ति राज्य मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देगा। फडणवीस ने बाद में नागपुर में कहा कि महायुति के घटक दल एकजुट हैं। उन्होंने कहा, सभी निर्णय सामूहिक रूप से लिये जाएंगे और हम अपने शीर्ष नेताओं के साथ बैठक करेंगे। यदि किसी को संदेह है तो एकनाथ शिंदे ने स्थिति स्पष्ट कर दी है।' उन्होंने कहा, '(एकनाथ) शिंदे साहब, (उपमुख्यमंत्री और राकांपा नेता) अजित दादा पवार और में साथ हैं। महायुति गठबंधन में कोई विवाद नहीं है। चुनाव से पहले हमने कहा था कि सभी निर्णय हमारे वरिष्ठ नेतृत्व के साथ मिलकर लिए जाएंगे। हम संयुक्त निर्णय लेंगे।

दिल्ली में ईडी की टीम पर हमला

साइबर क्राइम से जुड़े मामले में जांच करने पहुंची थी टीम

नई दिल्ली.

दिल्ली के दिल्ली में बिजवासन इलाके से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां पर ईडी के अधिकारियों पर जानलेवा हमला हुआ है. ईडी की टीम यहां पर साइबर साइबर क्राइम से जुड़े मामले में जांच करने पहुंची थी. इस हमले की जानकारी दिल्ली पुलिस को दे दी गई है. दिल्ली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. इस हमले में ईडी के एक अधिकारी घायल हो गए हैं. ईडी की टीम साइबर क्राइम से जुड़े मामले की जांच करने दिल्ली के बिजवासन इलाके में पहुंची थी. यहां ईडी की टीम पर आरोपी अशोक शर्मा और उसके परिवार के लोगों ने हमला कर दिया. इस हमले में ईडी के असिस्टेंट डायरेक्टर घायल हो गए हैं. उन्हें अस्पताल ले जाया गया है. वहीं, हमले के दौरान एक आरोपी फरार हो गया. इस घटना की जानकारी पुलिस को दे दी गई है. दिल्ली पुलिस मौके पर पहुंच गई हैं. स्थानीय पुलिस स्थिति को संभालने के लिए पहुंची है. अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत उपाय किए गए. वहीं, पुलिस ने फरार फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है. जांच एजेंसी ने दिल्ली के बिजवासन इलाके में हुई घटना के बारे में पुलिस में एफआईआर दर्ज करा दी है। यह जांच पीपीपीवाईएल साइबर ऐप धोखाधड़ी मामले से जुड़ी है। मामले में कथित आरोपियों, जिनमें अशोक शर्मा और उनके भाई शामिल हैं। कथित तौर पर ईडी टीम पर हमला किया।

CMYK

बेहद खास होगी भारत में बनी स्वदेशी बुलेट ट्रेन

> 280 किमी प्रति घंट का रफ्तार से दौड़ेगी

नई दिल्ली.

हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के बारे में आपने कई खबर पढ़ी और सुनी होगी, लेकिन हम आपको स्वदेशी बुलेट ट्रेन के बारे में बता रहे हैं. जो 280 किमी प्रति घंट का रफ्तार से दौड़ेगी. रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में पूछे गए एक सवाल के जवाब में बताया कि इस ट्रेन को इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई और (भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड) के सहयोग से बनाया जाएगा.

अश्विनी वैष्णव ने अपने लिखित जवाब में बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस की सफलता है बाद सरकार 280 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली ट्रेन बनाने जा रही है. उन्होंने बताया कि इस ट्रेन का डिजाइन एयरोडायनामिक होगा जो इसे तेज गति से दौड़ने में मदद करेगा. कुछ महीने पहले स्वदेशी बुलेट ट्रेन के कोच विकसित करने के लिए 867 करोड़ रुपए जारी हुए थे, जिसमें कंपनी 8 कोचों वाले दो ट्रेन सेट बनाकर तैयार करेगी. इस हिसाब से स्वदेशी बुलेट ट्रेन के एक कोच की कीमत 27.86 करोड़ रुपए होगी.

मोबाइल/लैपटॉप चार्जिंग पॉइंट जैसी सुविधाएं दी जाएगी

स्वदेशी बुलेट ट्रेन के कोच के फीचर्स की बात करें तो ये शताब्दी, राजधानी और वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच से ज्यादा हाईटेक होंगे. स्वदेशी बुलेट ट्रेन के कोच में पैसेंजर को घूमने वाली चेयर, ऑनबोर्ड इंफोटेनमेंट सिस्टम, सीसीटीवी, एयर कंडीशनर, मोबाइल/लैपटॉप चार्जिंग पॉइंट जैसी सुविधाएं दी जाएगी. आपको बता दें फिलहाल भारत की सबसे तेज दौड़ने वाली ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस है और इसकी टॉप स्पीड 160 किमी प्रति घंटा है.

शेयर बाजार में अचानक आई भारी गिरावट

नई दिल्ली. शेयर बाजार में पिछले 4 ट्रेडिंग सेशन से तेजी देखी जा रही थी. बाजार ने लगभग 3 फीसदी की रिकवरी कर ली थी. अब आज अचानक से सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली है. बीएसई सेंसेक्स 760 अंक यानी 0.95% की गिरावट के साथ 79,473 पर आ गया, जबकि निफ्टी-50 192 अंक या 0.79% की गिरावट के साथ 24,082 पर सुबह 12 बजे कारोबार कर रहा था.भारतीय शेयर बाजार में आई गिरावट के पीछे एक बड़ा कारण आईटी स्टॉक्स में आई कमजोरी है. क्योंकि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों को लेकर चिंताएं अभी भी हैं और अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती के बारे में अनिश्चितता फिर से बढ़ गई है.अमेरिकी महंगाई के आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर में उपभोक्ता खर्च में वृद्धि हुई, जिससे यह चिंता पैदा हुई कि भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की गति अपेक्षा से धीमी रहने वाली है. अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती में मंदी का सीधा असर खर्च के माहौल पर पड़ेगा.

महिंद्रा ने लॉन्च किये दो नए इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी

चेन्नई.

महिंद्रा ने अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी बीई 6ई और एक्सईवी 9ई को लॉन्च करते हुए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दुनिया में एक नया बेंचमार्क कायम किया है। इन्हें क्रांतिकारी इलेक्ट्रिक ओरिजिन आर्किटेक्चर 'इनग्लो' पर बनाया गया है और इन्हें दुनिया की सबसे तेज ऑटोमोटिव कंपनी एमएआईए द्वारा संचालित किया जाता है। ये वाहन महिंद्रा के 'अनलिमिट इंडिया' के विजन को साकार करते हैं। 'अनलिमिट इंडिया' के विजन में एक ऐसे दौर की कल्पना की गई है, जहां भारतीय इनोवेशन और डिजाइन न केवल ग्लोबल बेंचमार्क को चुनौती देते हैं, बल्कि नए बेंचमार्क भी स्थापित करते हैं। बीई 6ई और एक्सईवी 9ई की शुरुआती कीमतों' की घोषणा आज ग्लोबल प्रीमियर में की गई।

महिंद्रा की ब्रांड रणनीति ऐसे वाहन बनाने की प्रतिबद्धता पर आधारित है, जो लोगों के साथ गहराई से जुड़ते हैं।

ये ऐसे लोग हैं जो अपनी उम्मीदों के अनुरूप वाहनों की अपेक्षा करते हैं और जो चाहते हैं कि उनके वाहन उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप होने के साथ-साथ उनकी क्षमता को असीमित ऊंचाइयों तक ले जाएं। बीई 6ई अपनी स्पोर्टी, परफॉरमेंस-ड्रिवन अपील के साथ, खोजकर्ताओं और उपलब्धि हासिल करने वालों के लिए तैयार की गई है जो सीमाओं को पार करना पसंद करते हैं। दूसरी ओर, एक्सईवी 9ई बेहतर खूबसूरती के साथ बेजोड़ विलासिता प्रदान करते हुए लग्जरी को एक नई पहचान देती है। क्लास-लीडिंग रेंज, इंटेलिजेंट राइड डायनेमिक्स, अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं और सिनेमाई इन-केबिन अनुभव के साथ, ये इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी केवल वाहन नहीं हैं - वे एक बोल्ड, प्रामाणिक जीवन शैली की अभिव्यक्ति हैं।

पीएम मोदी ने करोड़ों महिलाओं, किसानों की समृद्धि का रास्ता खोला: अमित शाह

नई दिल्ली.

सहकारिता आंदोलन को और भी अधिक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वायत्त सहकारिता मंत्रालय का गठन करके 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने का काम किया है हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता गठबंधन के अंतरराष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन-2024 का उद्घाटन किया गया।

इस मौके पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यह स्पष्ट किया कि, 'मोदी जी ने 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के माध्यम से लाखों गाँवों, करोड़ों महिलाओं और किसानों की समृद्धि का रास्ता खोला। मोदी के नेतृत्व और अमित शाह के कुचल मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय सहकारिता क्षेत्र के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं पर काम कर रहा है।

कृषि, डेयरी, मलयपालन, बुनाई, ऋण और व्यापार सहित कई प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय 'ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीड' सहकारिता क्षेत्र को आजादी के बाद भी वर्षों तक उपेक्षा का शिकार बना कर रखा गया था, जबकि देश की आधी से ज्यादा जाबादी किसी-न-किसी रूप में सहकारिता से जुड़ी हुई है।

ऐसे में, सहकारिता क्षेत्र को एक नया क्षितिज प्रदान करने के लिए मोदी सरकार ने जुलाई, 2021 में सहकारिता मंत्रालय के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, जिसका कार्य भार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपा गया।

2 लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) की स्थापना के बाद भारत में एक भी गाँव ऐसा नहीं रहेगा, जहाँ कोई सहकारी संस्था न हो। मोदी जी की दुरदर्शिता और बाह की नीतियों से प्रेरित होकर सहकारिता मंत्रालय 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र को आत्मसात करते हुए 'ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़' सहकारिता को अधिक प्रासंगिक बनाने और उसके माध्यम से ग्रामीण आबादी के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रहा है। जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की जोड़ी 'सहकार से समृद्धि के मंत्र के साथ कई वर्षों से तिरष्कृत रही सहकारी समितियों को नया आयाम प्रदान करने में प्रयासरत हैं, ऐसे में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि 'संकल्प से सिद्धि की यह मात्रा बेमिसाल उपलब्धियों से भरा रहेगा।

डॉ. उदयशंकर अवस्थी अवार्ड से सम्मानित

नई दिल्ली.

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी को प्रतिष्ठित रोशडेल पायनियर्स अवार्ड 2024 प्रदान किया गया है। डॉ. वर्गीस कुरियन के बाद यह पुरस्कार पाने वाले डॉ. अवस्थी दूसरे भारतीय हैं। डॉ. कुरियन को वर्ष 2001 में यह पुरस्कार प्रदान किया गया था। रोशडेल पायनियर्स अवार्ड इंटरनेशनल कोऑपरेटिव अलायंस (आईसीए) द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। इस अवार्ड की शुरुआत वर्ष 2000 में हुई थी। इसका उद्देश्य एक व्यक्ति या विशेष परिस्थितियों में एक सहकारी संगठन को मान्यता देना है, जिसने नवीन और वित्तीय रूप से टिकाऊ सहकारी गतिविधियों में योगदान दिया है जिससे उनके सदस्यों को काफी लाभ हुआ है।

केमिकल इंजीनियर डॉ. अवस्थी 1976 में इफको में नियुक्त हुए। उनके नेतृत्व में इस सहकारी संस्था ने अपनी उत्पादन क्षमता में 292% और शुद्ध संपत्ति में 688% की वृद्धि की। उनके नेतृत्व में इफको ने विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में कदम रखा है, अपने व्यवसाय में विविधता लाई है और भारत के किसानों के लिए सफलतापूर्वक नवाचार और स्वदेशी नैनो उर्वरक विकसित किया है।

आईसीए के अध्यक्ष एरियल ग्वार्को ने भारत में पहली बार आयोजित हो रहे आईसीए के वैश्विक सहकारी सम्मेलन में एक विशेष समारोह के दौरान 25 नवंबर को डॉ. अवस्थी को यह पुरस्कार प्रदान किया। इफको लिमिटेड आईसीए और केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की साझेदारी में आईसीए महासभा और वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024 की मेजबानी कर रहा है। यह सम्मेलन नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है जो 30 नवंबर, 2024 को समाप्त होगा।

पुरस्कार ग्रहण करने के बाद इफको के एमडी डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने कहा, "मैं इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह पुरस्कार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "सहकार से समृद्धि" के दृष्टिकोण का प्रतीक है। साथ ही यह माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में इफको के असाधारण प्रयासों को उजागर करता है। हम भारत के सहकारी आंदोलन को वैश्विक मंच पर मजबूती प्रदान करने के उनके दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित हैं। मैं इस सम्मान के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जो हमें विश्व स्तर पर सहकारी भावना को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

अरुणाचल के कृषि मंत्री ने किया आईसीएआर के साथ समझौता

नागपुर.

अरुणाचल प्रदेश सरकार कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के मंत्री गेब्रियल डी वांग्सु ने अन्य प्रदेश के अधिकारियों के साथ सोमवार को आईसीएआर-एनबीएसएस और एलयूपी का दौरा किया। डॉ. एनजी पाटील, निदेशक, आईसीएआर. एनबीएसएस एंड एलयूपी ने मंत्री वांगसु का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को प्रस्तुति के साथ भूमि संसाधन सूची और भूमि संसाधन प्रबंधन पर ब्यूरो की गतिविधियों, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश के बारे में जानकारी दी। मंत्री की यात्रा का उद्देश्य ब्यूरो के बीच संबंधों का को मजबूत करने, कृषि में प्रगति को बढ़ावा देने, विशेष रूप से मिट्टी की स्थिति के अनुसार उच्च मूल्य वाली फसलों के लिए उपयुक्तता, कृषि सलाह, युवाओं के प्रवास को रोकने आदि के लिए एक व्यापक पहल और उद्देश्यों का हिस्सा है। उन्होंने फसलों के लिए मिट्टी की उपयुक्तता और सलाह के साथ आने वाली अन्य नई फसलों के संबंध में अरुणाचल प्रदेश के साथ मजबूत सहयोग विकसित करने के लिए ब्यूरो के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के बारे में भी बात की और जोरहाट में ब्यूरो के क्षेत्रीय केंद्र का दौरा करने का वादा किया।

प्रतिनिधियों ने ब्यूरो के भूमि जियो-पोर्टल, मृदा संग्रहालय इकाइयों आदि जैसी सभी सुविधाओं का दौरा किया। इस दौरे में प्रौद्योगिकियों के आसान हस्तांतरण के लिए खेतों और भूमि पार्सल स्तर पर मजबूत सहयोग और कृषि सलाह विकसित करने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला गया, जिन्हें एकीकृत किया जा सकता है। इस अवसर पर ब्यूरो के सदस्य उपस्थित थे। डॉ पीपी अधिकारी, प्रधान वैज्ञानिक ने कार्यक्रम का समन्वयन किया। डॉ. यू. सुरेंद्रन, पीआर. वैज्ञानिक ने आभार माना।

49.35 करोड़ का राइट्स इश्यू 6 को बंद होगा

अहमदाबाद. डेकोर सर्विस की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने वाली कंपनी, अहमदाबाद स्थित शणगार डेकोर लिमिटेड (बीएसई-540259) का रु. 49.35 करोड़ का राइट्स इश्यू 8 नवंबर, 2024 को सदस्यता के लिए खोला गया था। कंपनी का राइट इश्यू 21 नवंबर, 2024 को रु. 10.08 प्रति शेयर के बंध भाव की तुलना में रु. 5.76 प्रति शेयर की कीमत पर पेश किया गया है। राइट्स इश्यू 06 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। राइट्स एंटाइटेलमेंट के ऑन-मार्केट अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 29 नवंबर, 2024 है। कंपनी के राइट इश्यू में भाग लेने के लिए निवेशक बाजार से राइट्स एंटाइटेलमेंट भी खरीद सकते हैं। कंपनी रु. 5 अंकित मूल्य के 8,56,82,800 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर नकद में रु. 5.76 प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर जारी करेगी, जिसका मूल्य कुल मिलाकर रु. 49.35 करोड़ होगा।प्रस्तावित इश्यू के लिए राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 7:1 पर तय किया गया है (रिकॉर्ड तिथि 28 अक्टूबर, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 1 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयर के लिए रु. 5 के अंकित मूल्य के 7 राइट्स इक्विटी शेयर)। राइट्स एंटाइटेलमेंट के ऑन-मार्केट अधिकार अधिकारों के त्याग की अंतिम तिथि 29 नवंबर, 2024 है। रु. 49.35 करोड की इश्यू आय में से, कंपनी रु. 37.81 करोड़ कार्यशील पूंजी की आवश्यकता के लिए, रु. 25 लाख राइट्स इश्यू खर्च के लिए और रु. 11.29 करोड सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है। है।

चांदी ने लगाई 5200 रुपये की छलांग

नई दिल्ली. सोने और चांदी के कारोबारियों के लिए इस समय माहौल खुशगवार बना हुआ है और चांदी ने एक दिन में इतनी छलांग लाई है कि इसकी तेजी हैरान कर रही है. एक ही दिन में चांदी में 5200 रुपये का उछाल देखा गया और बुधवार को ये सर्राफा बाजार में 95,800 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई. चांदी में ये 5200 रुपये की ऊंचाई एक दिन के सबसे बड़े उछाल के साथ सर्राफा बाजार में सबसे ज्यादा चमक दिखा रही है. कमोडिटी बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना और चांदी की कीमतों में आज गिरावट देखी गई है. एमसीएक्स पर सोने के रेट में 191 रुपये की कमी आई है और ये 76325 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है. वहीं हॉट फेवरेट बन रही कीमती मेटल सिल्वर यहां 90,000 रुपये प्रति किलो से नीचे के भाव पर ही मिल रही है.

जारी किया जाएगा क्यूआर कोड वाला नया पैन कार्ड

नई दिल्ली. टैक्सपेयर्स की पहचान के लिए जारी किया जाने वाला पैन कार्ड अब क्यूआर कोड के साथ जारी किया जाएगा जिससे टैक्सपेयर्स के डिजिटल अनुभव को बढ़ाया जा सके. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की आर्थिक मामलों की समिति ने प्रोजेक्ट को शुरू करने पर अपनी मुहर लगा दी है. सरकार के इस फैसले का मकसद सरकारी एजेंसियों की सभी डिजिटल प्रणानियों में पैन को मुख्य पहचनाकर्ता के तौर पर इस्तेमाल करना है. इस प्रोजेक्ट पर सरकार कुल 1435 करोड़ रुपये खर्च करेगी. पैन 2.0 प्रोजेक्ट के जरिए टैक्सपेयर्स के रजिस्ट्रेशन सर्विसेज में टेक्नोलॉजी के माध्यम से बड़ा बदलाव लाने में मदद मिलेगी. टैक्सपेयर्स को कई प्रकार के बेनेफिट मिलेंगे. जिसमें वे आसानी से सर्विसेज का एक्सेस कर पायेंगे, सर्विसेज की डिलिवरी में तेजी लाई जा सकेगी, क्वालिटी में सुधार होगा, एक ही जगह सभी जानकारियां उपलब्ध होंगी, डेटा सुरक्षित रहेगा, इको-फ्रेंडली प्रोसेस के साथ लागत घटाने में मदद मिलेगी. सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पैन 2.0 प्रोजेक्ट में टैक्सपेयर्स को क्यूआर कोड के साथ वाला नया पैन कार्ड मुफ्त जारी किया जाएगा. पैन 2.0 प्रोजेक्ट टैक्सपेयर्स के बेहतर डिजिटल अनुभव के लिए पैन/टैन सेवाओं के टेक्नोलॉजी-ड्रीवेन ट्रांसफॉर्मेशन के जरिये टैक्सपेयर्स के रजिस्ट्रेशन सर्विसेज के बिजनेस प्रोसेस को फिर से तैयार करने के लिए लाई गई एक ई-गवर्नेंस परियोजना है.

बढ़ता प्रदूषण का लेवल दे रहा निवेश का मौका

नई दिल्ली.

प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ गया है. जहरीली हवा और धुंध ने नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा और ग्रीन फ्यूल जैसे समाधानों की चर्चा फिर से तेज हो गई है. आइए समझते हैं कि हेल्थ के साथ भारत की इकोनॉमी के लिए इसका समाधान कितना फायदेमंद होगा और साथ में यह भी जानेंगे कि निवेश के नजरिए से किन सेक्टर्स में अभी मौके हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक के आर्थिक एवं नीति अनुसंधान विभाग ने फाइनेंशियल ईयर 2022-23 के आधार पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि हीट वेब, क्लाइमेट चेंज और ह्यूमिडिटी के चलते 2030 तक श्रम घंटे का जो नुकसान होगा वह भारत की जीडीपी का 4.5 फीसदी होगा.

सेम ऐसा ही हाल प्रदूषण से होने वाले नुकसान का भी है. दिल्ली-एनसीआर सहित जिन राज्यों में प्रदूषण से बुरा हाल है. वहां कंस्ट्रक्शन से लेकर डीजल वाहन के यूज तक पर कई प्रतिबंध लगे हैं. इस सख्ती का असर सीधे तौर पर इकोनॉमी पर पड़ता है. अगर इसे सीधे शब्दों में समझे तो प्रदूषण बढ़ने से कई कामों पर प्रतिबंध लग जाता है, जिससे उनकी कॉस्ट अपने आप बढ़ जाती है. इसके साथ ही शहरों में काम कम होने की वजह से मजदूरों का पलायन हो जाता है, जिससे मजदूरी की कॉस्ट बढ़ जाती है.

निवेश के लिए भी ग्रीन एनर्जी बेहतर

पिछले एक साल की बात करें तो मोदी सरकार भी ग्रीन एनर्जी को लेकर तेजी से काम करती नजर आ रही है. इस सेक्टर में करोड़ों रुपए के नए निवेश हो रहे हैं. सबसे खास बात कि ग्रीन एनर्जी से जुड़े स्टॉक में भी तेजी आ रही है. याहू फाइनेंस इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रीन एनर्जी सेक्टर ने इस साल अब तक 13 पर्सेंट का रिटर्न दिया है.

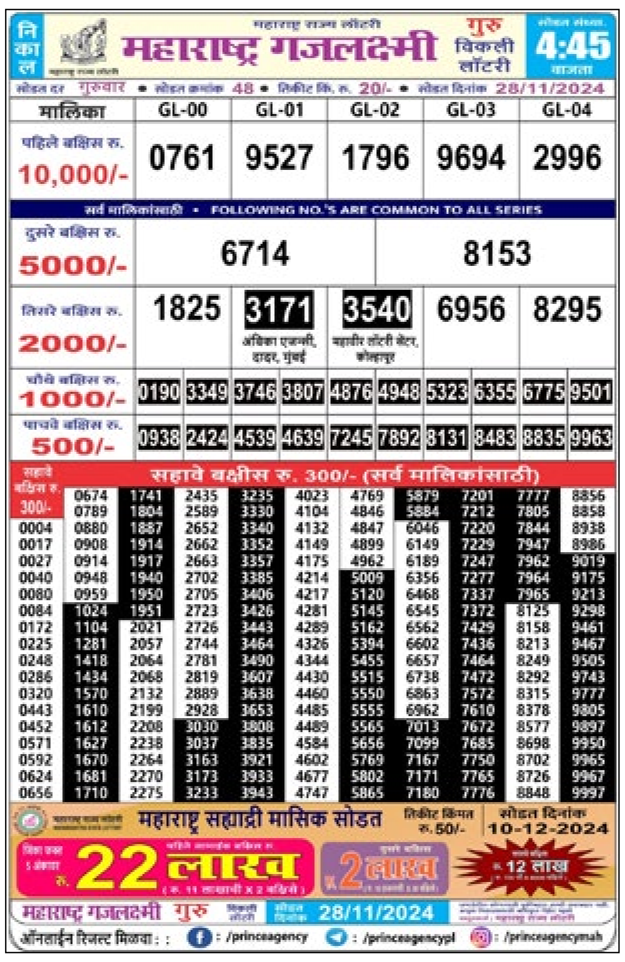

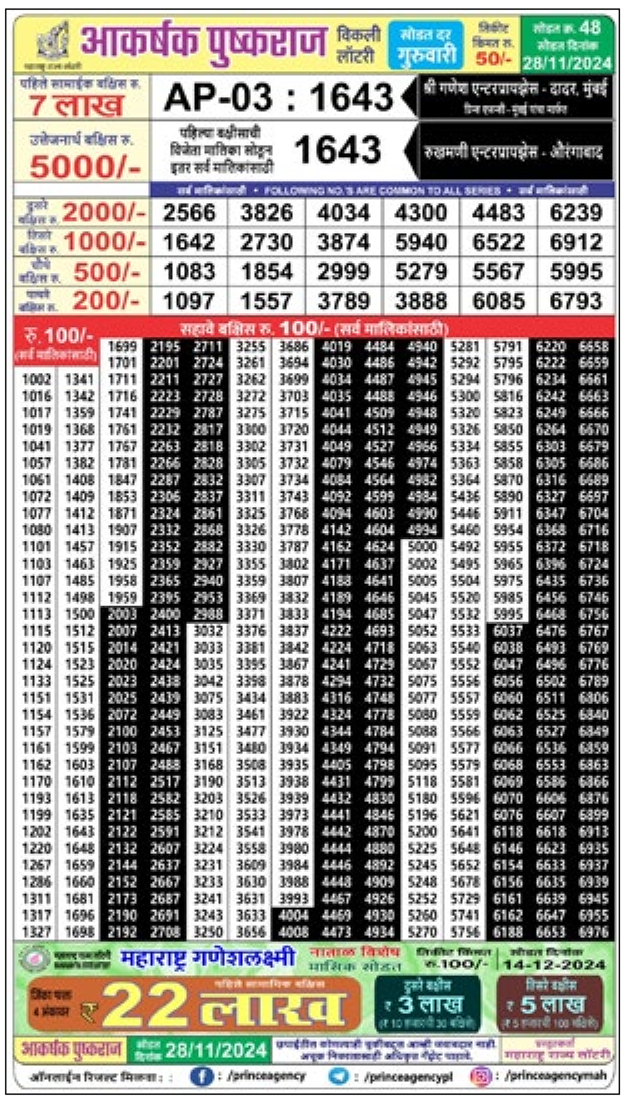

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

विदर्भ स्टॉकिस्ट प्रविण कडू : 9822472123

बालासाहब ठाकरे के समय दिल्ली में नहीं होते थे फैसले

> संजय राउत ने बीजेपी पर साधा निशाना

मुंबई.

महाराष्ट्र में महायुति की बंपर जीत के बाद मुख्यमंत्री तय करने में हो रही देरी पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा.

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पास खुद के 140 विधायक हैं, जो बहुमत के बहुत करीब हैं. फिर भी कई दिन के बाद भी बहुमत वाली पार्टी महाराष्ट्र को अपना मुख्यमंत्री नहीं दे पा रही है. आपस में ऐसा क्या चल रहा है? हम चाहते हैं अगर आपका बहुमत बना है तो मुख्यमंत्री 24 घंटे में ही बन जाना चाहिए था, चाहे वो किसी भी पार्टी का कोई भी नेता क्यों न हो.

मुख्यमंत्री के नाम पर आखिर वो ऐसा क्या विचार कर रहे हैं कि नाम फाइनल नहीं कर पा रहे हैं. हमें समझ नहीं आ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह सहित पार्टी के अन्य नेताओं को मुख्यमंत्री बनाने में इतनी मुश्किल क्यों आ रही है? उनकी मुश्किलों के बारे में महाराष्ट्र की जनता जानना चाहती है. ये बहुत ही दुर्भाग्य की बात है. उन्होंने ईवीएम में गड़बड़ी के मुद्दे पर सवाल पूछे जाने पर कहा कि हम ईवीएम पर सवाल नहीं उठा रहे हैं, बल्कि हम तो 10 साल इसके बारे में पूछते आए हैं. जब कांग्रेस की सरकार थी तो बीजेपी ने सवाल उठाया था.

उन्होंने कहा कि हमने दिल्ली में जाकर कभी गिड़गिड़ाया नहीं, हमें जो फैसला लेना होता है वो उद्धव ठाकरे जी के निर्देशन में लेते हैं.

हमने दिल्ली जाकर कभी नहीं गिड़गिड़ाया

उन्होंने कहा कि ये लोग बाला साहेब ठाकरे का नाम लेते हैं और शिवसेना के नाम पर राजनीति करते हैं, लेकिन महाराष्ट्र का फैसला दिल्ली से होता है. सच ये है कि बाला साहेब ठाकरे के समय में महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री दिल्ली नहीं बल्कि मुंबई से तय होता था. पहले भी बीजेपी के नेताओं में अटल जी और आडवाणी जी थे, लेकिन मुंबई में ही मुख्यमंत्री तय कर दिया जाता था, इसके लिए हम कभी दिल्ली नहीं गए.

आख़िरकार बेहतरीन कर्मचारियों को मिला दिवाली का तोहफा

मुंबई. इस साल दिवाली बोनस नहीं मिलने से बीईएसटी पहल के ड्राइवर, कैरियर और अन्य कर्मचारी परेशान थे. लेकिन अब दिवाली के एक महीने बाद बीईएसटी के 27 हजार कर्मचारियों के बैंक खाते में दिवाली का तोहफा जमा हो गया है. इसलिए बीईएसटी के कर्मचारी खुश हैं.दिवाली के बाद भी बोनस नहीं मिलने से बेस्ट कर्मचारियों में नाराजगी थी. इस मांग को लेकर बेस्ट कर्मचारियों ने 'काम बंद' विरोध प्रदर्शन भी किया. कर्मचारियों के रोष को ध्यान में रखते हुए मुंबई नगर निगम ने बीईएसटी के खाते में 80 करोड़ रुपये जमा किये. यह भी घोषणा की गई कि बोनस राशि अगले कुछ दिनों में सभी बीईएसटी कर्मचारियों के खातों में जमा कर दी जाएगी। लेकिन विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के कारण बेस्ट कर्मचारियों की बोनस राशि नहीं मिल सकी. अंततः चुनाव अधिकारियों की अनुमति से अगले कुछ दिनों में बोनस दिया जाएगा, ऐसा बेस्ट पहल द्वारा स्पष्ट किया गया.

हमें ले डूबा कांग्रेस का ओवर कॉन्फिडेंस

> हार के बाद एमवीए की शिवसेना का बड़ा हमला

मुंबई.

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं, लेकिन अब तक प्रदेश की नई सरकार को संशय का दौर बना हुआ है. चुनाव में जीत हासिल करने वाली महायुति गठबंधन अभी सीएम के पद पर मंथन ही कर रहा है तो शिकस्त का सामना करने वाली महाविकास आघाड़ी हार से उबर नहीं सकी है. आघाड़ी में अब आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है. महाराष्ट्र विधान परिषद में विरोधी पक्ष के नेता अंबादास दानवे ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि राज्य में हार के लिए कांग्रेस का अति आत्मविश्वास जिम्मेदार है.

शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के नेता अंबादास दानवे ने परिणाम आने के 5 दिन बाद कांग्रेस पर खुलकर आरोप लगाया और कहा कि गठबंधन की हार की बड़ी वजह कांग्रेस का ओवर कॉन्फिडेंस ही है. हमें इसी ने हरवाया है. हर कोई सूट पहनकर तैयार था. उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य को ध्यान में रखकर राज्य की सभी 288 सीटों पर खुद को मजबूत करेंगे.

दानवे उद्धव ठाकरे गुट के बड़े नेता हैं और विधान परिषद विरोधी पक्ष नेता भी हैं. चुनाव परिणाम के बाद गुरुवार को पहली बार गठबंधन का कोई बड़ा नेता खुलकर बोला, साथ ही सीधे तौर पर कांग्रेस को कटघरे में खड़ा कर दिया कि इस हार के लिए वही जिम्मेदार है.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर नेता सूट पहनकर तैयार था वो ओवर कॉन्फिडेंस में थे और इसी ओवर कॉन्फिडेंस की वजह से हार हुई है. आखिरी समय तक सीट शेयरिंग होती रही और सर्वे के नाम पर लोकसभा चुनाव का नतीजा दिखाकर सीट ले गए और हार गए.

चुनाव के बाद पार्टी को मजबूत बनाने की बात करते हुए दानवे ने कहा कि भविष्य की ध्यान में रखकर हमने पार्टी के मुखिया को अपनी भावना बताई है कि भविष्य में हम सभी 288 सीटों पर खुद को मजबूत करें भले ही सभी सीटों पर चुनाव न लड़ें. उन्होंने कहा कि अभी कॉरपोरेशन चुनाव दूर है, लेकिन पार्टी के लिए संगठन मजबूत करना जरूरी है. चुनाव में शिकस्त के बाद मातोश्री में बुलाई गई बैठक में शिवसैनिकों ने अपनी भावना उद्धव ठाकरे को बता दी है.

'बच्चू कड़ू गद्दार है,उसे वापस महागठबंधन में न लें'

> बोले बीजेपी नेता

मुंबई.

प्रहार जन शक्ति पार्टी के नेता बच्चू कड़ू हालिया विधानसभा चुनाव में हार गए. इसके बाद पार्टी की बैठक में उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि उन्हें सत्ता पक्ष या विपक्ष के साथ गठबंधन करना चाहिए या नहीं.

जब बीजेपी नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल से इस बारे में पूछा गया तो राधाकृष्ण विखे पाटिल ने रुख अपनाया कि बच्चू कड़ू जैसे लोगों को महागठबंधन में नहीं चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि महायुति को गलत बयानबाजी करने वाले सभी नेताओं को दूर रखना चाहिए.

"बच्चू कड़ू को महायुति सरकार का समर्थन प्राप्त था। उनकी विकलांगता नीति को स्वीकार कर लिया। फिर भी उसने धोखाधड़ी करके सरकार को धोखा दिया। इसलिए नहीं लगता कि उन्हें फिर से महागठबंधन में शामिल करने की जरूरत है. स्वाभाविक है कि यह फैसला वरिष्ठ नेता लेंगे. लेकिन ऐसा लगता नहीं है कि बच्चू कड़ू जैसे बेतुके, गैर-जिम्मेदाराना बयान देने वाले को वापस लिया जाएगा। हम मांग करते हैं कि जो लोग सरकार के समर्थन से सरकार के साथ विश्वासघात करते हैं, चाहे वह बच्चू कड़ु हों या कोई और, उन्हें दोबारा महागठबंधन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए",राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा।

विधानसभा चुनाव में शिवसेना (ठाकरे) की हार के बाद अब नेता आजादी का नारा दे रहे हैं. कुछ नेताओं ने उद्धव ठाकरे से माविया को छोड़कर आगामी चुनाव में अपने दम पर चुनाव लड़ने की मांग की है.

इस सवाल पर राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि हार के बाद एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने का काम चल रहा है. विपक्ष को मान लेना चाहिए कि उनका जनाधार अब नहीं रहा. जिस तरह से वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में बात कर रहे थे, उसकी उम्मीद उद्धव ठाकरे को नहीं थी.मैंने कभी किसी आदमी को ऐसे बेतुके बयान देते नहीं देखा. जनता ने अब उन्हें यह सबक सिखा दिया है.'

हार के बाद नेता दे रहे आजादी का नारा

विधानसभा चुनाव में शिवसेना (ठाकरे) की हार के बाद अब नेता आजादी का नारा दे रहे हैं. कुछ नेताओं ने उद्धव ठाकरे से माविया को छोड़कर आगामी चुनाव में अपने दम पर चुनाव लड़ने की मांग की है. इस सवाल पर राधाकृष्ण विखे पाटिल ने कहा कि हार के बाद एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने का काम चल रहा है. विपक्ष को मान लेना चाहिए कि उनका जनाधार अब नहीं रहा. जिस तरह से वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में बात कर रहे थे, उसकी उम्मीद उद्धव ठाकरे को नहीं थी . मैंने कभी किसी आदमी को ऐसे बेतुके बयान देते नहीं देखा. जनता ने अब उन्हें यह सबक सिखा दिया है.'

'सदैव मुख्यमंत्री ' मुंबई में फडणवीस के आवास के बाहर लगे पोस्टर

मुंबई.

देवेन्द्र फडणवीस के सरकारी आवास 'सागर' बंगले के बाहर कुछ पोस्टर और बैनर लगाए गए हैं. पोस्टर में लिखा हआ है कि 'फडणवीस को महाराष्ट्र का स्थायी मुख्यमंत्री' घोषित किया जाए. इस बैनर को भजपा कार्यकर्ताओं ने लगाया है. बैनर में फडणवीस को शपथ लेते हुए भी दिखाया गया है. उनमें एक प्रतीकात्मक शपथ का संदर्भ देते हुए एक कैप्शन शामिल किया गया है.

कैप्शन में लिखा है,'मैं, देवेंद्र सरिता गंगाधरराव फडणवीस,'राज्य के नेतृत्व में उनकी स्थायी भूमिका की ओर इशारा करता हूं. इसके पहले भी चुनावी परिणाम में महायुति की 232 सीटों पर जीत के बाद राज्य में अलग-अलग जगहों पर देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाए जाने वाले पोस्टर देखे गए. वाशिम शहर में लगाए गए पोस्टर में भी देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री के तौर पर दिखाया गया है. 23 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आ गए थे. इतने दिन बीत जाने के बाद भी यहां मुख्यमंत्री कौन बनेगा इस पर अभी भी सस्पेंस दिखाई नहीं दे रहा है. वैसे तो देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है, लेकिन बीजेपी की सरप्राइज वाली नीति के कारण इसमें भी असमंजस जैसी स्थिति बनी हुई है. एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री वाली रेस से बाहर माने जा रहे हैं. शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस इसके बारे में जानकारी दी है.

उन्होंने कहा कि उन्हें सीएम पद को लेकर कोई लालच नहीं है और पीएम मोदी, अमित शाह, बीजेपी इसे लेकर जो भी फैसला लेंगे वो उन्हें मंज़ूर होगा. एकनाथ शिंदे ने मीडिया से बातचीत में साफ किया है कि बीजेपी की तरफ से मुख्यमंत्री नाम रिलीज करने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी. शिंदे ने कहा कि हर क्षेत्र के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह दोनों ही मेरे साथ हमेशा खड़े रहे हैं. ये आम जनता की सरकार है. मैं ख़ुद को मुख्यमंत्री नहीं समझता था, मैंने ढाई साल कार्यकर्ता के रूप में काम किया है.

NAGPUR MUNICIPAL CORPORATION
Tender Notice

Commissioner NMC invites Offline Tenders for the following work in Two Envelopes System. These Offline Tenders can be submitted by the Registered Contractors of NMC. The Terms and Conditions of Offline Tenders are available in the Tender Form. The sale and purchase of Tender Form can be done at E.E. (DPDC), 5th Floor NMC Civil Office.

Tender No.	Name of the work	BOQ Cost (Rs.)	EMD
1-2024	Providing & Fixing I Block at Various Places Telankhadi in Pra. No. 14	821828	8300
2-2024	Asphalting of Road at Back side of Madhwani Nupur Wine Shop Zingabai Takli in Prabahg No. 11	828679	8300
3-2024	Asphalting of Road at Keshav Nagar Raut Layout Zingabai Takli in Prabhag No. 11	828676	8300
4-2024	Asphalting of Road at Near Tanihk Apartment Zingabai Takli in Prabhag No. 11	828661	8300
5-2024	Providing & Fixing I Block from H/o Suraj Malite to H/o Sanjay Chaudhary at Darshan Society in Pr. No. 11	828989	8300
6-2024	Providing & Fixing I Block from H/o Sachin Badhiye to H/o Saurabh Oza at Mahesh Nagar in Pr. No. 11	826271	8300
7-2024	Construction of CC Road near H/o Janardan Bondra at Yogendra Nagar in Pr. No. 11	819273	8300
8-2024	Providing & Fixing I Block & Various Civil Work at Near Sadhu Waswani Statue infront of Shriram Tower in Pr. No. 09 West Nagpur Assembly Constituency	417876	4200
9-2024	Construction of Various Civil Work at Jai Bajrang Society Samaj Bhavan in Pr No.12	417217	4200
10-2024	Construction of Various Civil Work at Gymnasium Juni Vasti Zingabai Takli in Prabhag No. 11 West Nagpur Assembly Constituency	418962	4200
11-2024	Construction of Various Civil work in Samaj Bhavan at Dhore Layout Mankapur in Pr. No. 11	832817	8400

Note : (1) Cost of Blank Tender form Rs. 590/- **(2)** Tender sale & submission start date : 28/11/2024. **(3)** Tender submission end date/sales end date 04/12/2024 up to 5.00 pm. **(4)** Date of opening of Tender (if possible) 05/12/2024 up to 5.00 pm. **(5)** Eligibility criteria and mode of Submission shall be as stated in uploaded tender document. **(6)** Time Limit & Class of Contractor Stated in tender document.

Advt No : 707/PR,
Dt : 28/11/2024

Executive Engineer (DPDC),
N.M.C., Nagpur

हिंदू पत्नी को रिहा कराने मुस्लिम युवक पहुंचा हाई कोर्ट

मुंबई.

एक मुस्लिम युवक ने आश्रय गृह में अवैध रूप से रखी गई अपनी हिंदू पत्नी को रिहा करने का आदेश देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। उन्हें धमकियां मिल रही हैं और उन्होंने अदालत से हम दोनों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस सुरक्षा का आदेश देने का भी अनुरोध किया है.

लड़की के माता-पिता की शिकायत के बाद, पुलिस ने उसके साथी को चेंबूर में स्त्री भिक्षाकारी खिकर केंद्र (सरकारी महिला छात्रावास) में अवैध रूप से रखा। उसे इस तरह से वहां रखना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि कोर्ट ने ऐसी गतिविधियों पर रोक लगा रखी है.

साथी ने स्वेच्छा से माता-पिता का घर छोड़ दिया था और आपके साथ सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा था। याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया है कि उसने उसके साथ इस तरह के रिश्ते में रहने का निर्णय जानबूझकर और बिना किसी दबाव या दबाव के लिया था।

याचिकाकर्ता ने याचिका के साथ एक नोटरीकृत हलफनामा भी संलग्न किया है जिसमें लड़की ने कहा है कि वह अपनी मर्जी से और बिना किसी दबाव के कई महीनों से याचिकाकर्ता के साथ पति-पत्नी के रूप में रह रही है।

देश में लोकतंत्र का चीरहरण

पुणे. देश में सचमुच लोकतंत्र का चीरहरण शुरू हो गया है. इसके खिलाफ राज्य में संवैधानिक अधिकारों के तहत तीन दिवसीय आत्मदाह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है. अब नागरिकों को सड़कों पर उतरने की जरूरत है. ऐसा करने के बाद भी जरूरत पड़ी तो इस सरकार के खिलाफ हमें सत्याग्रह करना पड़ेगा, ऐसा वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव ने कहा. उन्होंने यह भी कहा कि ईवीएम को लेकर संदेह की गुंजाइश है. महात्मा फुले वाडा में डॉ. आधव ने गुरुवार से स्व-भूख हड़ताल शुरू कर दी है.

आज का राशिफल

मेष - जातकों के लिए कल दिन इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा. आपको अपने घरेलू कामों पर पूरा ध्यान देना होगा.

वृषभ - जातको के लिए दिन आनंदमय रहने वाला है. आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी. आप अपने बेफिजूल के खर्चों को बढ़ा सकते हैं.

मिथुन- जातकों के लिए कल दिन सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा. आपके घर किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा.

कर्क -दिन व्यस्तता भरा रहने वाला है. आप अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी निभाएंगे और किसी से यदि कोई कर्जा लिया था, तो उसे भी उतारने में सफल रहेंगे.

सिंह - शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा. यदि किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो आप अवश्य करें.

कन्या - जातकों के लिए दिन रचनात्मक क्षमता को बढ़ाने वाला रहेगा. आपकी कला कौशल में सुधार आएगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा.

तुला -आज दिन सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा. आपकी कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी.

वृश्चिक - आज कल दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. बच्चों के साथ आप समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे.

धनु -जातकों की नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी. आप अपने आवश्यक कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें. यदि आपने धन संचय करने का सोचा था

मकर -जातकों के लिए दिन मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. आपको पारिवारिक मुद्दों में ढील देने से बचना होगा.

कुंभ -आज दिन मिला-जुला रहने वाला है. आपको यदि कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से चल रहा था, तो उसमें भी काफी हद तक राहत मिलेगी.

मीन -आज दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा. आपको अपने विरोधियों से सतर्क रहना होगा. साझेदारी में कोई काम करना आपके लिए अच्छा रहेगा.

'पिता एकनाथ शिंदे पर गर्व है

> बेटे श्रीकांत का इमोशनल पोस्ट

मुंबई.

शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा है कि उन्हें अपने पिता एकनाथ शिंदे पर गर्व है। जिन्होंने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को दरकिनार करते हुए गठबंधन धर्म का पालन करने की मिसाल पेश की है। एकनाथ शिंदे वर्तमान में महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री हैं। सांसद ने बुधवार रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनके पिता का महाराष्ट्र के लोगों के साथ अटूट रिश्ता है। शिवसेना नेता ने कहा कि उन्होंने समाज के हर वर्ग के लिए दिन-रात मेहनत की। शिवसेना, भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सहयोगी है।

उनका यह बयान एकनाथ शिंदे (60) की ओर से बुधवार को की गई घोषणा के बाद आया है। इसमें उन्होंने (कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने) कहा था कि शिवसेना महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फैसले का समर्थन करेगी, जिससे बीजेपी के लिए नई सरकार का नेतृत्व करने का रास्ता साफ हो गया। कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री शाह से बात की और उन्हें आश्वासन दिया है कि राज्य में नई सरकार के गठन में उनकी ओर से कोई बाधा नहीं आएगी।

श्रीकांत शिंदे ने कहा कि मुझे अपने पिता और शिवसेना प्रमुख पर गर्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर भरोसा बनाए रखा और अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को अलग रखते हुए गठबंधन धर्म का (बेहतरीन) उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने आम आदमी के रूप में काम किया और यहां मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास वर्षा के दरवाजे जनता के लिए खोले। कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि ऐसी धारणा है कि सत्ता सभी को लुभाती है, लेकिन एकनाथ शिंदे अपवाद हैं। उनके लिए राष्ट्र और लोगों की सेवा सर्वोपरि है तथा उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

FORM N.D.
[See Rule 92 (3)]

Notice to be published in newspaper by the successor to the vehicle owner.

It is hereby informed for the knowledge of public that **Late Shri. Vrajlal Dayabhai Gohil,** owner of the Four Wheeler ALTO Car Vehicle No. **MH-31-CM-8919** has expired on **13-04-2024.**

I, **Leena Vrajlal Gohil,** R/o. Flat No. 154, Ramnagar, Sq. Bajiprabhu Nagar, Nagpur-33,being the successors to the possession of the above mentioned to confer intend to use the Vehicles and accordingly.

I have applied to the appropriate R.T.O. authority / Regional Nagpur Transport Office / Transport Authority for the Transfer of Vehicles on my name.

Any person having any claim or objection in this regard, should within 07 days from the date of publication of this notice, bring such fact to the notice of Regional Transport office/region Transport Authority.

Nagpur / Dt. 28.11.2024 Name of the successor.
Leena Vrajlal Gohil
R/o. Flat No. 154, Ramnagar Sq. Bajiprabhu Nagar, Nagpur

महाराष्ट्र सरकार
अधिशाषी अभियंता
लोक निर्माण संभाग क्रमांक 3
पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कार्यालय के सामने
सिविल लाइंस, नागपुर-440 001
ई-मेलः- div3nagpur.ce@mahopwd.gov.in

ई-निविदा सूचना क्रमांक 25/2024-25 जावक संख्या:- 4907/टी.सी., दिनांक: 27.11.2024

वीडियो शूटिंग द्वारा स्वचालित ट्रैफ़िक गणना और वर्गीकरण (एटीसीसी) के लिए सलाहकार के पैनल बनाने का प्रस्ताव

कार्यकारी अभियंता, लोक निर्माण विभाग क्रमांक 3, सिविल लाइन्स, नागपुर टेलीफोन नंबर (0712-2561586) को उपरोक्त उद्देश्यों के लिए इच्छुक उत्कृष्ट योग्य पेशेवरों से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाइन ई-आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, वित्तीय बोलियां आमंत्रित की जाएंगी। उचित श्रेणी की पार्टियों को सूचीबद्ध करना और उसके बाद विभाग द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों पर उन्हें काम सौंपना.

ई-निविदा डाउनलोड करने की अवधि :- दिनांक 06.12.2024 से 06.01.2025 तक
निविदा पूर्व सम्मेलन बैठक :- दिनांक 18.12.2024 @ 16.00 बजे
स्थान :- मुख्य अभियंता, पी.डब्ल्यू. क्षेत्र, सिविल लाइन्स नागपुर.
ई-टेंडर खुल गया :- डीटी. 08.01.2025 @ 11.00 बजे
स्थान :- अधीक्षण अभियंता, पी.डब्ल्यू. सर्कल, सिविल लाइन्स नागपुर.

ई-टेंडर की जानकारी निम्नलिखित वेब साइट पर उपलब्ध हो सकती है

1) http://mahatenders.gov.in
2) कार्यकारी अभियंता, पी.डब्लू.डी.एन. के कार्यालय का नोटिस बोर्ड। क्रमांक 3, नागपुर.
3) कृपया ध्यान दें कि इस कार्य के संबंध में आगे के बदलाव प्रेस नोटिस द्वारा शुद्धिपत्र के माध्यम से प्रकाशित नहीं किए जाएंगे। परिवर्तन महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल यानी http://mahatenders.gov.in के इलेक्ट्रॉनिक टेंडरिंग सिस्टम पर उपलब्ध होंगे.
4) आवेदन पत्र रु। मात्र 5000/- (पांच हजार रूपये).
5) आवेदक को सभी दस्तावेजों को मूल से स्कैन करके अपलोड करना होगा और हार्ड कॉपी कार्यकारी अभियंता, पी.डब्ल्यू. डिवीजन नंबर 3, नागपुर, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक कार्यालय, सिविल लाइन्स, नागपुर 440001 के नाम पर डाक द्वारा जमा करनी होगी.

(वैशाली गोडबोले)
कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण संभाग क्रमांक 3
नागपुर.

दिनांक : 28/11/2024
क्रमांक : आरओसी-2024-25/क्र-5/सी 4771
दूरध्वनी क्रमांकः 022-22818318

सुविचार

लक्ष्य के आधे रास्ते पर जाकर कभी वापस न लौटें
क्योंकि वापस जाने पर भी आधा रास्ता पार करना पड़ता है..!

संपादकीय

दिशानिर्देश जारी किए जाएं

> संभल हिंसा जैसे मामले रुक सकते हैं

❒ संभल में जो कुछ घट रहा है वह देश पहली बार नहीं देख रहा और इससे फिर जाहिर हो गया है कि प्लेसेस ऑफ़ वरशिप एक्ट, 1991 जैसा कानून होने के बाद भी एक ही गलती दोहराई जा रही है। संभल में किसकी गोली से चार लोगों की जान गई, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन यह स्पष्ट है कि न्यायपालिका की एक चूक ने संभल को इस स्थिति में पहुंचा दिया है। यह विवाद भी उसी तरह आकार ले रहा है, जैसे काशी और मथुरा में। संभल की जामा मस्जिद का मामला संवेदनशील है, ऐसे में पहला सवाल तो यही उठता है कि जिला अदालत ने इतने आनन-फानन में फैसला क्यों दिया? एक याचिका आती है, जिसमें दावा किया जाता है कि इस जगह मंदिर हुआ करता था, जिसे सन 1526 में मुगल बादशाह बाबर ने ध्वस्त कर मस्जिद का निर्माण कराया। याचिका पर उसी दिन सुनवाई होती है और सर्वे का आदेश आ जाता है। आखिर, सर्वे का आदेश देने की इतनी जल्दी क्या थी? प्लेसेस ऑफ़ वरशिप एक्ट, 1991 को राम जन्मभूमि विवाद की परछाई में लाया गया था। यह कहता है कि 15 अगस्त 1947 को जो पूजास्थल जिस धार्मिक स्वरूप में था, वह वैसा ही रहेगा और उसे बदला नहीं जा सकेगा। यहां तक कि एक ही धर्म के भीतर दूसरे संप्रदाय में भी उस स्थल का बदलाव नहीं होगा। जब यह एक्ट आया, तब अयोध्या मामला सुप्रीम कोर्ट में था, तो उसे अलग रखा गया। लेकिन, अब यह हो रहा है कि आए दिन किसी जगह को लेकर अदालतों में याचिका डाली जा रही है और आश्चर्य है कि सर्वे के लिए आदेश भी दिया जा रहा है। ऐसा लग रहा है कि विवादों के बांध को खोल दिया गया है। इसकी एक वजह खुद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा की गई प्लेसेस ऑफ़ वरशिप एक्ट की अतिरिक्त व्याख्या है। मई 2022 में चंद्रचूड़ ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता। इस व्याख्या ने विवादों को पैर जमाने की जगह दे दी। अब इसी की आड़ में तमाम जगह सर्वे की मांग उठ रही है। सुप्रीम कोर्ट में 1991 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं लंबित हैं। 2022 में तत्कालीन सीजेआई यूयू ललित की अगुआई वाली बेंच ने केंद्र सरकार से इस मसले पर जवाब मांगा था, जो अभी तक नहीं मिला है। सरकार की चुप्पी और निचली अदालतों की अतिरिक्त तेजी से देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो रहा है। बेहतर होगा कि सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल देकर निचली अदालतों के लिए दिशा-निर्देश जारी करे कि इस तरह के मामलों को किस तरह से हैंडल करना है, वरना यह आग फैलती ही जाएगी।

टेक माहौल

उदय केसरी

❒ अमन आज की सुबह जागा तो जरुर पर बिस्तर से उठा नहीं और न ही अपना दफ्तर गया, बस बीती रात के एक स्वप्न में वह घंटों बाद भी खोया रहा।अमन भारती राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली में कार्यरत एक अधिकारी है। वह अधिकारी जरूर है पर उसके दिलोदिमाग में मानवीयता का बेहद गहरा प्रभाव है। वह सांप्रदायिकता, जातीय भेदभाव व रूढ़िवादिता से बरबस ही दुखी हो जाता है। वह यह देखकर विचलित हो जाता है कि जिन लोगों की प्राकृतिक काया तक में ऊपरवाले ने भी कोई मूल फर्क नहीं किया, वे खुद आपस में इतने अलग अलग क्यों होते चले गए? अमन कल दफ्तर में एक फाइल पढ़ने के बाद से ही खुद को विचलित महसूस कर रहा था। फाइल राजस्थान से आई थी और उसमें वहां के गांव वीरपुरा की एक मामले का विवरण था। मामला था कि वहां एक वृद्ध महमूद अली को भीड़ ने पीट पीट कर मार डाला। भीड़ का आरोप था कि वह अपने साथ एक गाय ले जा रहा था, जिसे वह कसाई को बेचने वाला था। भीड़ में शामिल लोग कथित तौर पर गौसेवा को धर्म मानने वाले थे, इसलिए उन लोगों ने महमूद के इस अपुष्ट दुस्साहस का दंड उसे सड़क पर बेरहमी से पीट कर दिया। वृद्ध यह दंड सह न सका, उसने सड़क पर ही दम तोड़ दिया। लेकिन जब इसकी खबर वृद्ध के घरवालों को लगी, वे दौड़े भागे घटना स्थल पर पहुंचे। वे उस वृद्ध की लाश को देख बिलख उठे। उस वृद्ध का बेटा करीम तो दहाड़मार कर रोने लगा। वह रोते रोते अपने अब्बू की लाश से कहता जा रहा था - " अब्बू. मैं आपको दो दिनों से रोक रहा था. अभी माहौल खराब चल रहा है, मत ले जाओ इस बीमार गाय को इलाज कराने. मत जाओ जाओ. पर आपने मेरी नहीं मानी. मेरी गैरहाजिरी में घर से उस गाय को लेकर निकल गए. ओ अल्ला. वही हुआ, जिसका मुझे शक था. या अल्लाह, ये कैसा माहौल है?" वहां सड़क पर खड़े दूसरे लोग उस वृद्ध के बेटे के विलास को सुनकर समझ तो गए कि सच क्या था और क्या समझ के गौसेवा दल की भीड़ ने उस वृद्ध की जान ले ली। लेकिन किसी को इस सच से जैसे फर्क नहीं पड़ा, वे सब तमाशबीन बने रहे और फिर चले गए. राजस्थान का यह मामला अमन को हिला कर रख दिया। वह दफ्तर में ही इसके अवसाद में ऐसा डूबा जा रहा था कि कैबिन में आकर चपरासी ने दोपहर की चाय कब रख गया, उसे पता भी नहीं चला। चाय दोपहर से शाम तक वैसी ही पड़ी रही। ... शाम में दफ्तर को बंद करने का समय हो गया। एक एक करके अन्य अधिकारी व कर्मचारी दफ्तर से चले गए। चपरासी अधिकारियों के कैबिन बंद करते हुए जब अमन के कैबिन में घुसा, तो उसने अपने अमन सर को अब भी किसी सोच में बेसुध बैठा हुआ पाया। सब जा चुके थे तो अब उससे रहा नहीं गया। उसने आवाज दी " सर जी. सरजी सभी बाबू निकल गए हैं!!! "तब जाकर कहीं जाकर अमन अपने अवसाद से बाहर आया- " हां हां निकल रहे हैं।" यह कहकर अपना बैग समेटने लगा। तभी उसने केबिन से निकलते हुए चपरासी से अचानक पूछ बैठा " दशरथ, एक गाय की जान क्या इंसानों की जान से भी बड़ी होती है? दशरथ एक अधेड़ उम्र का बहुत ही धार्मिक आस्था रखने वाला व्यक्ति था। वह रोज पूजापाठ करके तिलक लगाकर ही दफ्तर आता। उसे हिन्दू धर्म ग्रंथों को पढ़ने में भी रुचि थी, सो कई बार वह बातों बातों में धर्म अधर्म के फर्क को धार्मिक कथाओं व प्रसंगों के माध्यम से समझाने की कोशिश करता सुनाई देता था। शायद इसीलिए अमन ने यह सवाल उससे पूछा था। लेकिन दशरथ इस सवाल से अचरज में था कि खुद इतने पढ़े लिखे अधिकारी हैं अमन सर और मुझसे ऐसा क्यों पूछ रहे हैं। दशरथ को चुपचाप सोचता देख अमन ने टोका "क्या हुआ दशरथ, कोई जवाब नहीं सूझ रहा क्या?

"ओ नहीं सर... इसमें जवाब क्या देना... इंसान की जान से बढ़कर आखिर किसी की जान क्यों होगी।" चपरासी दशरथ का जवाब सुन अमन ने उससे फिर कुछ नहीं कहा और अपनी सरकारी गाड़ी से क्वार्टर के लिए निकल गया। ड्राइवर गाड़ी चला रहा था और पिछली सीट चुपचाप बैठा अमन चपरासी की बात व राजस्थान की उस घटना में फिर खो गया। तभी उसके मोबाइल की घंटी बजी। किसी अनजान नंबर से कॉल था- " हैलो... हैलो... नो... नो ... इट्स रांग नंबर...!" रांग नंबर का कॉल काटते हुए अमन ने देखा मोबाइल में फेसबुक एप्प के कई नोटिफिकेशन पड़े हैं।

महाराष्ट्र के नतीजों से बदलेंगे विपक्षी राजनीति के समीकरण

कृष्णमोहन झा

● कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से उपचुनाव जीत कर लोकसभा की सदस्य बन चुकी हैं। उन्होंने 4 लाख से भी अधिक मतों से जीत हासिल कर पहली बार संसद सदस्य बनने का गौरव प्राप्त किया है और चुनाव परिणाम की घोषणा के एक सप्ताह के अंदर ही सदन में अपनी मौजूदगी भी दर्ज करा दी है। संभवत: यह पहला अवसर है जब गांधी परिवार के तीन सदस्य राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा लोकसभा में एवं सोनिया गांधी राज्य सभा में एक साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं परंतु वायनाड उपचुनाव में पार्टी की शानदार जीत के बावजूद कांग्रेस सदस्यों के चेहरों पर विजेता जैसी चमक नहीं है जिसका एक मात्र कारण यह है कि हाल में संपन्न हुए महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में उसे अत्यंत शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर संसद के शीतकालीन सत्र में भाग ले रहे भाजपा सांसदों के चेहरों पर महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक विजय से उपजा उल्लास और उमंग स्पष्ट देखा जा सकता है। इसमें कोई सन्देह नहीं कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बाद सत्ता के गलियारों तक पहुंच जाने की उम्मीद लगाए बैठे इंडिया गठबंधन के घटक दलों में कांग्रेस की हताशा बाकी दलों से कहीं अधिक है वैसे कमोवेश यही हाल शिव सेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) का भी है। इंडिया गठबंधन के ये तीनों घटक दल यह समझ ही नहीं पा रहे हैं कि महाराष्ट्र के जिन मतदाताओं ने 18 वीं लोकसभा के चुनावों में उन्हें सर आंखों पर बिठाया था उन्हीं मतदाताओं ने आखिर राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा को ऐतिहासिक जीत का हकदार क्यों मान लिया। अब उन दलों को इस हकीकत को स्वीकार करना ही होगा कि उनके पास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की करिश्माई लोकप्रियता को चुनौती देने का सामर्थ्य और साहस नहीं है। दरअसल, इसकी शुरुआत तो कुछ माह पूर्व संपन्न हुए हरियाणा विधानसभा के चुनावों से हो गई थी जहां वह एक दशक बाद सत्ता पर काबिज होने का सुनहरा स्वप्न संजोए बैठी थी लेकिन हरियाणा में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के बीच अंदरूनी खींचतान और अति आत्मविश्वास के कारण सदन के अंदर उसे लगातार तीसरी बार विपक्ष में बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। मजेदार बात तो यह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान ही पार्टी में भावी मुख्यमंत्री बनने के लिए एकाधिक दावेदार सामने आ चुके थे लेकिन एक दशक बाद भी कांग्रेस सत्ता से दूर रह गई। हरियाणा जैसा अतिआत्मविश्वास ही महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस, एनसीपी (शरद पवार) और शिव सेना (उद्धव ठाकरे) की उम्मीदें टूटने का कारण बन गया। महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों ने तीनों पार्टियों के पैरों तले की जमीन ही खिसका दी है। हरियाणा में कांग्रेस कम से कम इतनी सीटें जीतने में तो कामयाब हो ही गई थी कि वह विधानसभा के अंदर सशक्त विपक्ष की भूमिका निभा सके परन्तु महाराष्ट्र के चुनाव परिणाम तो यह संकेत दे रहे हैं कि वहां उक्त तीनों पार्टियों को हताशा की स्थिति से उबरने में लंबा वक्त लग सकता है।

उद्धव ठाकरे की नेतृत्व क्षमता पर सवाल लग चुका है। एनसीपी से बगावत कर के अजित पवार ने शरद पवार के नेतृत्व को जो चुनौती दी थी उससे निपटने में वे सफल नहीं हो पाए। कांग्रेस के पास महाराष्ट्र में कोई इतना लोकप्रिय चेहरा नहीं है जिससे पार्टी किसी करिश्मे की उम्मीद कर सके। कुल मिलाकर आगे का रास्ता मुश्किलों से भरा हुआ है। झारखंड में कांग्रेस को जो सफलता मिली है वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ जाने से मिली है। उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी का साथ लोकसभा चुनावों में उसके लिए फायदे का सौदा साबित हुआ परंतु हाल में संपन्न राज्य की नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव में किसी भी सीट पर अपना उम्मीदवार खड़ा न करने का उसका फैसला यही संदेश देता है कि समाजवादी पार्टी के साथ उसके संबंधों में अब पहले जैसी मधुरता नहीं रह गई है। दिल्ली में तो सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के साथ उसके रिश्ते कभी सामान्य नहीं रहे। दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी में कभी कोई कसर नहीं छोड़ी। अगले साल होने वाले दिल्ली विधानसभा के चुनावों पर इस बयानबाजी का असर पड़ने से इंकार नहीं किया जा सकता। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को दिल्ली विधानसभा के अगले चुनावों में भाजपा से कड़ी चुनौती मिलना तय है।

डॉ. एम.ए.रशीद, नागपूर

शुक्रवार स्पेशल भाग (66)

अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि के शासन काल में पवित्र क़ुरआन का संग्रह एक अज़ीमुश्शान कारनामा

मुस्लिम समुदाय के लिए पवित्र क़ुरआन लोक और परलोक में सफलता के मार्ग प्रशस्त करने वाला ईश्वरीय ग्रन्थ

❒ हम सभी इस हक़ीक़त से परिचित हैं कि पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम पर क़ुरआन मजीद थोड़ा-थोड़ा 33 वर्षों तक बरावर अवतरित होता रहा। हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के बहुत से आदर्श साथी ऐसे थे जिन्हें पूरा क़ुरआन कंठस्थ था और उन आदर्श साथियों की संख्या तो और भी अधिक थी जिन्हें क़ुरआन के बहुत से हिस्से याद थे ।लेकिन बहुत से हाफ़िज़े क़ुरआन (जिन्हें पवित्र क़ुरआन कंठस्थ था) लड़ाइयों व झड़पों में शहीद हो गये। विदित हो कि ऐसी लड़ाईयां, जंग और झड़पें नुबूवत के झूठे दावेदारों, इस्लाम से विमुख होने वालों और ज़कात के इन्कारियों आदि से हुईं थीं। सही बुख़ारी में आदरणीय ज़ैद बिन साबित रज़ि से रिवायत है कि यमामा की जंग के अवसर पर आदरणीय अबु बकर सिद्दीक़ रज़ि ने मेरी ओर एक क़ासिद के हाथ पैग़ाम भेजा कि मेरे पास इस समय आदरणीय उमर फ़ारुक़ रज़ि बैठे हुए हैं और वे कहते हैं कि जंग के दौरान बेशुमार पवित्र क़ुरआन को कंठस्थ रखने वाले (हाफ़िज़े क़ुरआन) शहीद हो गये हैं और अगर इसी तरह जंगों में क़ुरआन के कंठस्त शहीद होते रहे तो पवित्र क़ुरआन के एक बहुत बड़े हिस्से के ज़ाया होने का ख़तरा है। इसलिए उनकी राय यह है कि मैं पवित्र क़ुरआन करीम का संग्रह करुं।

आदरणीय अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि कहते हैं कि मैंने कहा : मैं वह काम नहीं कर सकता जिसे हुज़ूर नबी ए करीम सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने अपनी जिंदगी में नही किया। वह पैगंबर के नक्शेकदम पर चलने में बहुत सख्त थे। फिर अल्लाह ने इस पुण्य कार्य के लिये मेरा सीना खोल दिया और मेरी राय भी आदरणीय उमर फ़ारूक़ रज़ि जैसी बन गई।आप एक बुद्धिमान युवक हैं, आप पर हम कोई आरोप नही पाते। और आप हुज़ूर सअव के कातिबे वह्यी (वह्यी लिखने वाले) भी हो इसलिए आप क़ुरआन का संग्रह करें ।आदरणीय ज़ैद बिन साबित रज़ि कहते हैं कि अल्लाह की क़सम! अगर मुझे पहाड़ को एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करने का ओदेश दिया जाता तो मैं उसे क़ुरआन मजीद के संग्रह करने से ज़्यादा सरल समझता। आदरणीय अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि ने मुझ से कहा कि यह पुण्य कार्य है और फिर अल्लाह अज़्ज़ो जल ने मेरी राय वही कर दी जो आदरणीय अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि और आदरणीय उमर फ़ारूक़ रज़ि की थी।

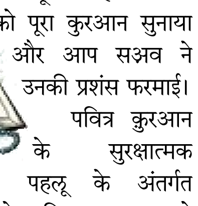

मैंने खजूर के पत्तों, शाख़ों, कपड़े के टुकड़ों, पत्थरों के सिलों, आदर्श साथियों के सीनों, झिल्लियों और हड्डियों आदि से क़ुरआन का संग्रह किया। आदरणीय ज़ैद बिन साबित रज़ि को पवित्र क़ुरआन संग्रह का आदेश आदरणीय अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि ने इसलिए दिया था कि वे कातिब वह्यी थे। बता दें कि आदरणीय ज़ैद बिन साबित रज़ि उस समय नौजवान थे और आपकी आयु 21 वर्ष थी ।पैग़म्बर हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की प्रत्येक वह्यी उन्होंने लिखी थी। इसे के अलावा आप क़ुरआन के हाफ़िज़ (कंठस्त करना) भी थे। आप पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को क़ुरआन सुनाया करते थे ताकि वे कोई ग़लती करें तो हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम उसमें सुधार फ़रमा दें। हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के देहान्त से कुछ दिनों पूर्व ही आदरणीय ज़ैद बिन साबित रज़ि ने हुज़ूर सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम को पूरा कुरआन सुनाया और आप सअव ने उनकी प्रशंस फरमाई। पवित्र क़ुरआन के सुरक्षात्मक पहलू के अंतर्गत सबसे पहले पवित्र क़ुरआन को याद करने (हिफ़्ज़े क़ुरआन) पर ज़ोर दिया गया, इसलिए पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम स्वयं उसके अवतरण के समय उसके शब्दों को दोहराते ताकि वे अच्छी तरह से याद, कंठस्थ हो जाएं। इस पर अल्लाह ईश्वर की ओर से वह्यी अवतरित हुई कि वह्यी के समय शब्दों को जल्दी-जल्दी दोहराने की ज़रूरत नहीं है, बल्कि अल्लाह तआला ख़ुद आप में ऐसी स्मरण शक्ति को पैदा कर देगा कि एक बार वह्यी के अवतरण के बाद आप उसे भूल नहीं सकेंगे।

इस प्रकार हुज़ूर सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम पहले हाफ़िज़े क़ुरआन (पवित्र क़ुरआन को याद करने वाले) हैं, दूसरी ओर हर साल रमज़ान के महीने में आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हज़रत जिब्राइल अलैहिस्सलाम के साथ पवित्र क़ुरआन के अवतरित भागों की बतौर पुनरावृत्ति के पढ़ा करते थे। जिस वर्ष आप सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम का निधन हुआ, उसी वर्ष आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने पवित्र क़ुरआन की दो बार पुनरावृत्ति की। आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अपने आदर्श साथियों (सहाबियों) रज़ि को न केवल क़ुरआन के अर्थों की शिक्षा देते, बल्कि उन्हें इसके शब्दों को कंठस्थ भी कराते। सहाबा रज़ि (आदर्श साथी) स्वयं पवित्र क़ुरआन को याद करने के इतने शौकीन थे कि हर कोई एक दूसरे से आगे निकलने के बारे में चिंतित रहता था। इसलिए पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम के साथियों में एक अच्छा ख़ासा समूह ऐसा रहता जो अवतरित हुए क़ुरआन की पंक्तियों को याद कर लेता और रातों को नमाज़ में दोहराता था। पवित्र क़ुरआन की सुरक्षा के लिए सबसे पहले क़ुरआन को याद करने पर ज़ोर दिया गया। यह तरीका उस समय बहुत अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय था।

पवित्र क़ुरआन की रक्षा के लिए पैग़म्बर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम ने पवित्र क़ुरआन को लिखवाने के लिए भी एक विशेष व्यवस्था भी की। पवित्र क़ुरआन की वह्यी के अवतरण के बाद वह उसे शास्त्रियों (कातिबीने वह्यी) से लिखवा दिया करते थे। पैग़म्बर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का आदर्श और मामूल था कि जब पवित्र क़ुरआन का कोई हिस्सा अवतरित होता तो आप शास्त्रियों (कातिबीने वह्यी) को यह भी निर्देश देते थे कि वे इसे अमुक सूरह में अमुक अमुक छंदों के बाद लिखें ।उस समय कागज़ उपलब्ध नहीं था, इसलिए इन क़ुरआन की आयतों (छंद) को ज़्यादातर पत्थर की सिलों, चमड़े की पट्टियों, खजूर की शाखाओं, बांस के टुकड़ों, पेड़ के पत्तों और जानवरों की हड्डियों पर लिखा जाता था। कातिबीने वह्यी अर्थात पवित्र क़ुरआन की पंक्तियों को लिखने वालो में आदरणीय ज़ैद बिन साबित रज़ि, ख़ुल्फ़ाए राशिदीन रज़ि (इस्लामी जगत के चारों शासक वर्ग - आदरणीय अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि, आदरणीय उमर फ़ारूक़ रज़ि, आदरणीय उस्मान रज़ि, आदरणीय अली रज़ि), आदरणीय अबी बिन क़ाब रज़ि, आदरणीय ज़ुबैर रज़ि और आदरणीय मुआविया रज़ि के नाम विशेष रूप से उल्लेख किये जाते हैं। पवित्र कुरआन का संग्रह आदरणीय अबू बकर सिद्दीक़ रज़ि का एक अज़ीमुश्शान कारनामा है जिसकी वजह से रहती दुनिया तक मुस्लिम समुदाय के प्रत्येक मुसलमान को पवित्र कुरआन पढ़ने में आसानी होती रहेगी। इसके साथ ही यह ईश्वरीय ग्रन्थ मुस्लिम समुदाय के लिए लोक और परलोक में सफलता के मार्ग प्रशस्त करने वाला तब ही होगा जबकि उसका हक़ अदा किया जाएगा। यह पवित्र क़ुरआन सिर्फ़ पाठ या तिलावत करने वाली किताब नही, बल्कि यह मार्गदर्शन की पुस्तक है। इसलिए मुस्लिम समुदाय को पवित्र क़ुरआन के सभी पहलुओं को समझ कर उन्हें पूरा करने का प्रयास करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह किस प्रकार से लोक (दुनिया) और परलोक (क़ियामत) दोनों जहां में सफलता की ओर मार्ग प्रशस्त करता है। इसका पहला पहलू यह है कि इसे ठीक से और नियमित रूप से पढ़ा जाना चाहिए। इसका दूसरा पहलू इसे समझने का है तथा अंतिम पहलू यह भी कि पैगंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की रिवायत या वर्णन के अनुसार उनका पालन किया जाए। ऐसा सुलूक करने वाले लोगों को दुनिया की हर कठिनाई से मार्गदर्शन और पुनरुत्थान (क़यामत) के दिन उसकी हिमायत - शफ़ाअत की खुशखबरी दी जाती है।

लेकिन जैसा कि इस हदीस में चेतावनी दी गई है कि यह पवित्र कुरआन केवल उन लोगों के लिए मार्गदर्शन और दया है जो उसके पहलुओं का अल्लाह के दूत हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की परंपराओं के अनुसार उचित रूप से पालन करते हैं। जो लोग उसकी ग़लत व्याख्या करते हैं और सांसारिक चीज़ें जैसे कि प्रसिद्धि हासिल करने के लिए अपनी इच्छाओं के अनुसार अमल करते हैं, वे क़यामत अर्थात पुनरुत्थान के दिन इसके सही मार्गदर्शन और उसकी हिमायत से वंचित रह जाएंगे।

दरअसल दोनों लोकों में उनका पूरी तरह से नुकसान उस समय तक बढ़ता रहेगा जब तक कि वे ईमानदारी से पश्चाताप यानी कि तौबा न कर लें। पवित्र क़ुरआन की सूरह बनी इजरायल, पंक्ति क्र 82 में अल्लाह ईश्वर का फ़रमान है कि "और हमने क़ुरआन में वह चीज़ उतारी जो ईमान वालों के लिए आरोग्य (शिफ़ा) और रहमत व दया है, लेकिन यह अत्याचारियों (ज़ालिमों) की क्षति को ही अधिक करता है". "वो ज़माने में मुअज़्ज़िज़ थे मुसलमां होकर , और तुम ख़्वार हुए तारिके क़ुरआं होकर"!

बोझ नहीं हैं, आशीर्वादक हैं बुजुर्ग

❍ मानवीय शरीर की क्षीण काया भी परिवार की मजबूत नींव के रूप में स्थान रखती है। जिस प्रकार एक पुरानी एवं मजबूत नींव मकान की विशालता का सबूत देती है। ठीक उसी तरह परिवार के वृद्धजन उस परिवार की संगठन शक्ति का उदाहरण होते है। जिन परिवारों में वृद्धों का आशीर्वाद बना रहता है, उन परिवारों की संपन्नता और सुख शांति अनुशासन की कहानी कहती दिखाई पड़ती है। परिवार के बुजुर्गों को बोझ मानने वाले अपने जीवन कर रसास्वादन सही रूप में नहीं कर पाते है। बुजुर्गों का अनुभव और उनकी संघर्ष यात्रा ही वह ताकत है, जिसके बल पर एक परिवार बुलंदी पर पहुंच सकता है। फिर वह परिवार रतन टाटा का हो या बिड़ला का, परिवार का मुखिया ही वह मार्ग दिखाता रहता है, जहां ऐश्वर्य के साथ आनंद की प्राप्ति होती रही है। वृद्धावस्था के प्रति उपेक्षा, अवमानना एवं घृणा का भाव पाश्विक सभ्यता का ही परिचायक हो सकता है। यह बात हमेशा ध्यान में रखनी होगी कि परिवार के वृद्धजन अनदेखी की श्रेणी में नहीं आते है। बल्कि वे अनुभव की भट्ठी में तपकर सही मार्ग दिखाने वाले सच्चे और प्रेयक वर्ग से संबंध रखते है। वे व्यापक व्यवहारिक प्रशिक्षण के बल पर परिवार के सबसे ज्यादा हितकर सदस्य होते है। किसी भी परिवार में वृद्धों की अवहेलना या उनकी अनदेखी करना इस बात का प्रतीक है, उनकी संतानों ने शालीनता और मर्यादा का पाठ सही ढँग से नहीं पढ़ा है। बीमार वृद्ध माता-पिता अथवा किसी भी रिश्तेदारी से संबंध रखने वाले सदस्य की सेवा का अवसर उन्हें ही मिल पाता है, जो वास्तव में इसके हकदार होते है। इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि परिवारों में वृद्धों की छाया होना पुत्र पुत्रियों का बड़ा सौभाग्य सूचक होता है। इस दर्द वे ही बयां कर सकते है, जिनके माता-पिता का साया समय से पहले ही उठ गया हो। जिन माता पिता ने जन्म से लेकर आत्म निर्भर होने तक प्रौढ़ता प्राप्त करने तक बच्चों का पालन पोषण किया, प्रशिक्षण एवं शिक्षा की व्यवस्था की, उन्हें सुरक्षा कवच प्रदान किया, मार्गदर्शन दिया, कदम कदम पर सहायक के रूप में खड़े होकर संबल प्रदान किया, उनके प्रति बच्चों के मन में कृतज्ञता का पैदा न होना यही सिद्ध करता है कि वे मनुष्यता के महान गुण से वंचित रह गये है। ऐसे लोगों से अपने बच्चों से भी सेवा सुश्रूषा की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह संसार का नियम है कि आप जैसा बीजारोपण करेंगे वृक्ष वैसा ही फल प्रदान करेगा।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

❒ दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D
डॉ. पारुल मोहित गुप्ता B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC
डॉ. रचना मयूर गुप्ता B.A.M.S, MD,
डॉ.अतुल तेलरांदे B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D
डॉ. विनोद तिवारी बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

CMYK

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

अनधिकृत बैनर लगाने वालों पर होगी कार्रवाई

गढ़चिरोली. नगर निगम प्रशासन ने चेतावनी दी है कि विधानसभा चुनाव के बाद अवैध रूप से बैनर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. गढ़चिरोली शहर में कई लोग जहां चाहें वहां बैनर लगाकर शहर को गंदा करते नजर आते हैं. मुंबई में एक घटना घटी जहां एक बड़ा बैनर गिर गया, जिससे जान-माल की हानि हुई।

इसके बाद कोर्ट ने अनाधिकृत बैनर हटाने का आदेश दिया. अब विधानसभा चुनाव के बाद बड़ी संख्या में बैनर लगाए जाने की संभावना को देखते हुए अनाधिकृत बैनर लगाए जाने पर सख्त कार्रवाई की बात नगर निगम प्रशासन द्वारा कही गई है.

'पद भरे, तो ट्रैफिक सुधरे', हाईकोर्ट में पुलिस आयुक्त का शपथ-पत्र

नागपुर. शहर में गड्ढों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर बॉम्बे हाई कार्ट की नागपुर खंडपीठ ने स्वयं संज्ञान लेते हुए आपराधिक जनहित याचिका दायर की है। शहर की यातायात की समस्या हल करने के लिए यातायात विभाग में पर्याप्त मनुष्यबल होना आवश्यक है। इस बात को ध्यान में लेते हुए कोर्ट ने पुलिस आयुक्त से पूछा था कि क्या शहर पुलिस में अतिरिक्त पदों की जरूरत है। मामले पर बुधवार को हुई सुनवाई में पुलिस आयुक्त ने कोर्ट में शपथ-पत्र दाखिल करते हुए बताया कि, शहर पुलिस में फिलहाल 447 मंजूर पद रिक्त हैं और 391 पदों की विभाग को और जरूरत है। इस मामले पर न्या. नितीन सांबरे और न्या. वृषाली जोशी के समक्ष सुनवाई हुई। कोर्ट ने यातायात की समस्या हल करने के लिए यातायात विभाग में पर्याप्त मनुष्यबल है या नहीं, इसकी भी जानकारी प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि, यदि ऐसा नहीं है, तो कोर्ट आवश्यक पदों को भरने के संबंध में राज्य सरकार से जवाब भी मांग सकती है। इस अनुसार, पुलिस आयुक्त ने कोर्ट को बताया कि था वर्तमान में शहर पुलिस में पुलिस निरीक्षक के पांच, पुलिस उप-निरीक्षक के 15, सहायक पुलिस निरीक्षक के 16 और अमलदार के 223 पद रिक्त हैं। इस पर सवाल करते हुए कोर्ट ने पुलिस आयुक्त को यह जवाब दाखिल करने का आदेश दिया कि क्या ये स्वीकृत पद पर्याप्त हैं।

हालांकि, आदेश का पालन नहीं होने पर पिछली सुनवाई में कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। साथ ही पुलिस आयुक्त को आखिरी मौका देते हुए जवाब दाखिल करने का आदेश दिया था। बुधवार को हुई सुनवाई में पुलिस आयुक्त शपथ-पत्र दाखिल करते हुए शहर पुलिस विभाग में मंजूर रिक्त पदों के साथ और पदभर्ती की जरूरत होने की जानकारी दी। इस पर कोर्ट ने पुलिस आयुक्त को आदेश दिया कि वह इस संदर्भ में पुलिस महानिदेशक को प्रस्ताव भेजें और उनके द्वारा रिक्त पदों को भरने के लिए उठाए गए कदमों के संबंध में चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करें।

स्कूल ऑफ स्कॉलर्स गढ़चिरोली में संविधान दिवस मनाया गया

गढ़चिरोली. 26 नवंबर स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक विशेष दिन है, इस दिन पूरे देश में 'संविधान दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन के अवसर पर स्कूल ऑफ स्कॉलर्स गढ़चिरोली में भी 'भारतीय संविधान दिवस' मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भारतीय संविधान एवं संविधान के रचयिता भारत रत्न डॉ. बाबासाहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में सामूहिक संविधान का पाठन लिया गया। इस मौके पर प्रिंसिपल अजय लांडगे ने इस दिन को मनाने के महत्व और उद्देश्य के बारे में जानकारी दी. कार्यक्रम का संचालन सृष्टि भेंडारकर, त्रिनाली बोरकर ने किया। कार्यक्रम की सफलता में सामाजिक विज्ञान प्रमुख अतुल खडसे, रामराव मून, सोनाली राजगुरु का विशेष सहयोग मिला।

धान खरीदी केंद्र पर बाहरी क्षेत्र के किसानों का धान खरीदना शुरू

स्थानीय किसान बिक्री से वंचित

वडधा.

आरमोरी तहसील के वडधा में धान खरीद केंद्र पर आरमोरी और वैरागढ़ खरीदी केंद्र से जुड़े किसानों को वडधा खरीदी केंद्र पर बुलाकर धान की खरीदी की जाती है, इस दौरान स्थानीय किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है। वडधा क्षेत्र के कई स्थानिक किसान धान बिक्री से वंचित हैं, विपणन महासंघ की सख्त नीति से किसानों में तीव्र आक्रोश व्याप्त है। आरमोरी क्रय विक्रय सहकारी समिति के अंतर्गत 3 खरीद केन्द्र स्वीकृत किये गये हैं जिनमें आरमोरी, वैरागढ़ एवं वडधा केन्द्र शामिल हैं। इस बीच कृषि उपज मंडी समिति के वडधा स्थित खरीद केंद्र के गोदाम में कृषि उपज मंडी शुरू कर दी गई है. पिछले आठ-दस दिन से यहां शॉपिंग सेंटर शुरू हो गया है. चूंकि कई किसानों ने धान की मिंजाई कर ली है, इसलिए धान बेचने के लिए क्रय केंद्र पर किसानों की भीड़ उमड़ रही है।

इस बीच, गोदाम सुविधाओं की कमी के कारण आरमोरी और वैरागढ़ में शॉपिंग सेंटर बंद हैं। इसलिए आरमोरी क्षेत्र स्थित किसान संघ के कार्यालय में खरीदी केंद्र के संबंध में पूछताछ की जा रही है. हालाँकि, संगठन द्वारा आरमोरी क्षेत्र के किसानों का धान वडधा खरीदी केंद्र में ले जाने के लिए कहा जा रहा है, इसलिए उक्त किसानों का माल लगभग 25 किलोमीटर की दूरी तय करके वडधा खरीदी केंद्र में लाया जा रहा है. इसलिए स्थानीय किसान धान बेचने से वंचित हैं. धान खरीदी केंद्र वडधा में करीब 16 से 17 गांवों को शामिल किया गया है। जबकि ऐसी स्थिति है तो फिर आरमोरी और वैरागढ़ केंद्रों को वडधा धान खरीदी केंद्र में बुलाने की क्या जरूरत है? यह सवाल स्थानीय किसान उठा रहे हैं.

गोद लेने की प्रक्रिया के लिए संपर्क करें

महिला एवं बाल विकास कार्यालय की अपील

चंद्रपुर, सुनील तायडे.

सरकार ने अब उन नागरिकों के लिए एक सुनहरा अवसर प्रदान किया है जिन्हें प्राकृतिक माता-पिता से वंचित होना पड़ता है। माता-पिता बनने के तीन तरीके हैं और अधिक जानकारी के लिए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई से सम्पर्क करने की अपील की. अनाथ बच्चों को गोद लेना.

इसमें अनाथ, परित्यक्त और परित्यक्त बच्चे शामिल हैं। ऐसे बच्चे का संरक्षण जिला बाल संरक्षण सेल एवं चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से किया जाता है। ऐसे बच्चे की सुरक्षा और पालन-पोषण के लिए किलबिल दत्तक ग्रहण योजना संस्था काम कर रही है और यह बाल कल्याण समिति, चंद्रपुर के आदेश से दायर की गई है।

इसके बाद उक्त बच्चों को बालकल्याण समिति चंद्रपुर द्वारा गोद लेने के लिए मुक्त कर दिया जाता है. गोद लेने वाले माता-पिता सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी की वेबसाइट cara.wcd.gov.in पर जाकर पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं और बच्चे को गोद ले सकते हैं। रिश्तेदारी में दत्तक ग्रहण किशोर न्याय बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 2(52) के अनुसार, चाचा-चाची, चाचा-चाची, मौसी-मौसी, दादी-दादा गोद लिए जाने वाले बच्चे के सजातीय दत्तक ग्रहण के लिए

पात्र हैं। चरण-गोद लेना पति/पत्नी के बीच तलाक के मामले में, पति/पत्नी में से किसी एक की मृत्यु के मामले में भी, यदि उक्त व्यक्ति पुनर्विवाह करता है और उसके बच्चे हैं, तो उन बच्चों को चरण-दत्तक में अपना नाम जोड़ने के लिए गोद लिया जाता है। विवाहित व्यक्ति. ऐसे गोद लेने वाले माता-पिता सेंट्रल एडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी की वेबसाइट cara.wcd.gov.in पर जाकर कारा पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं और बच्चे को गोद ले सकते हैं। पालक देखभाल को अपनाना. देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों को बालकल्याण समिति चंद्रपुर के आदेश के तहत बाल गृह में प्रवेश दिया जाता है।

ऐसे बच्चे अपने माता-पिता का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। अथवा 6 माह से बच्चों से मुलाकात न की गई हो, ऐसे बच्चों को संरक्षकता के सिद्धांत पर बाल कल्याण समिति द्वारा पालन-पोषण में असमर्थ घोषित कर दिया जाता है। या फिर इच्छुक माता-पिता बच्चों के सर्वांगीण विकास और परिवार का प्यार पाने के लिए गोद लेने आते हैं। इसके लिए इच्छुक अभिभावक वेबसाइट https://fcdcomm pune.com/admin पर जाकर रजिस्ट्रेशन करें। इसके बाद जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्पॉन्सरशिप एंड फोस्टरकेयर अप्रूवल कमेटी द्वारा योग्य होने के बाद बच्चे की कस्टडी बाल कल्याण समिति के माध्यम से एक साल के लिए पालन-पोषण के लिए पात्र परिवार को दी जाती है।

पात्र परिवार को बच्चे का नाम और उपनाम बदलने का अधिकार नहीं है और यदि बच्चा दो साल के बाद परिवार में शामिल होता है, तो माता-पिता अदालत के माध्यम से बच्चे को गोद ले सकते हैं। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी दीपक बनैत और जिला बाल संरक्षण अधिकारी अजय साखरकर ने गोद लेने की प्रक्रिया और गोद लेने की प्रक्रिया के लिए पंजीकरण के बारे में जानने के लिए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण कक्ष में जाने की अपील की है।

विधानसभा चुनावों में सभी ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप

> निर्दलीयों के वोट डायवर्ट करने का भी आरोप

चंद्रपुर.

हाल ही में विधानसभा चुनाव 2024 का परिणाम घोषित हुआ। चुनाव में 6 विधानसभा क्षेत्रों में से 5 विधानसभा क्षेत्रों में बीजेपी उम्मीदवार और 1 विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत हासिल की. लेकिन इस चुनाव में कुछ क्षेत्रों में अप्रत्याशित नतीजों को देखते हुए निर्दलीय उम्मीदवार प्रकाश पाटिल मारकवार ने चंद्रपुर श्रमिक पत्रकार संघ में आयोजित पत्रपरिषद में गंभीर आरोप लगाया कि वोटों की गिनती में 100 फीसदी ईवीएम में गड़बड़ी हुई और निर्दलीय उम्मीदवारों के वोट बीजेपी और कांग्रेस की ओर चले गए.

उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द ही चुनाव आयोग से शिकायत की जाएगी और ईवीएम मशीनों के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा. मारकवार ने कहा कि वे 30 साल से राजनीति में काम कर रहे हैं. साल 1990 में पहला विधानसभा चुनाव लड़ा गया.उस समय मतपत्र पर मतदान होता था। उस समय मुल सावली विधानसभा क्षेत्र से 6000 वोट मिले थे. वर्ष 1992-97 में वे जिला परिषद के अध्यक्ष बने. वर्ष 2009-14 के दौरान जिला परिषद के सदस्य रहे पूरा करियर राजनीति और सामाजिक सरोकारों में बीता।

अब विधानसभा 2024 में वह बल्लारपुर-मूल निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में खड़े थे। इस बार गिनती में 322 वोट ही दिखाए गए। लेकिन पैतृक गांव राजगढ़ 1000 से ऊपर की आबादी वाला गांव है. गांव में पूछने पर उन्होंने अनुमान लगाया कि राजगढ़ गांव में ही 300 वोट मिलने की संभावना अधिक है. चुनाव कार्य में एक हजार से अधिक कर्मी लग गये थे. इस चुनाव में की गई कड़ी मेहनत और लोगों से किए गए संपर्क और उनसे मिली प्रतिक्रिया को देखते हुए उन्होंने 30 हजार से ज्यादा वोट मिलने की संभावना जताई. अंतिम परिणाम पत्रक पर केवल राजगढ़ गांव को 25 वोट मिले हैं।

बाकी वोट 0_1_1_0 हैं. इस समय मारकवार ने आयोजित पत्रपरिषद में आरोप लगाया है कि निर्दलीयों के वोट बीजेपी और कांग्रेस की ओर डायवर्ट हो गए हैं और कुछ विधानसभा क्षेत्रों में वोटों की गिनती के अप्रत्याशित नतीजों के कारण 100 फीसदी ईवीएम मशीनें खराब हो गईं. इस तरह की वोटिंग से लोकतंत्र कमजोर हो रहा है. अन्य निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ-साथ नागरिकों को भी आगे आकर ईवीएम मशीनों के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और बैलेट पेपर पर मतदान की मांग करनी चाहिए. प्रकाश मारकवार ने बताया कि, इस संबंध में चुनाव आयोग से शिकायत की जायेगी.

गोंडपिपरी तालुका को विकास से वंचित रखने वाले विधायक को दिया करारा झटका

> भूतपूर्व विधायक के खिलाफ फूटा गुस्सा
> भाजपा के देवराव भोंगले को दिलाई जीत

राजुरा.

राजुरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में, अब तक राजुरा तालुका के विधायक ही अपनी सत्ता बनाने में कामयाब हुए. जिवती और गोंडपिंपरी तालुका को कभी प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया न ही कभी किसी भी राजनीतिक पार्टी ने कभी कोशिश की।

इसी वजह से इन तालुकों की नजर में सभी पार्टियों के उम्मीदवार आयातित होते थे. हालाँकि, इस बार गेम चेंजर बने गोंडपिपरी ने तालुका के दामाद, भाजपा के देवराव भोंगले का समर्थन करके सत्ता को करारा झटका दिया है। सारी भविष्यवाणियाँ विफल हो गई हैं क्योंकि जाति के बल पर गोंडपिंपरी की झोली में आने का दिखावा करने वाले और जाति से परे जाकर भाजपा के देवराव भोंगले को विधायक बनाकर सिर पर बिठाने वाले नेताओं को मतदाताओं ने सत्ता से बाहर कर दिया। आख़िर बदलाव की ज़रूरत है और गोंडपिंपरी तालुका ने अपना गुस्सा दिखाया है कि आज तक सत्ता में बैठे विधायकों ने गोंडपिंपरी तालुका को रोज़गार और विकास से दूर रखा है। जिसका परिणाम चुनाव के नतीजे पर साफ तौर पर दिखाई दिया. राजुरा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र, जो तेलंगाना राज्य की सीमा पर है, जिसमे चार तालुका राजुरा, कोरपना, जिवती और गोंडपिपरी शामिल हैं। यदि हम इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली सूची को देखें, तो राजुरा तालुका शीर्ष पर है। इस विधानसभा के अब तक के विधायकों पर नजर डालें तो दिवंगत प्रभाकरराव मामुलकर तीन बार विधायक बने, उसके बाद, एडवोकेट वामनराव चटप, सुदर्शन निमकर, एडवोकेट संजय धोटे, सुभाष धोटे सभी राजुरा विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक हैं, भले ही वे आज तक मजबूत हैं, लेकिन उन्हें गोंडपिपरी तालुका का प्रतिनिधित्व करने का मौका नहीं मिला। लेकिन इस विधानसभा चुनाव में भाजपा के देवराव भोंगले ने करारी मात देकर घर का रास्ता दिखाया. भाजपा के देवराव भोंगले गोंडपिपरी तालुका के तोहोगांव के दामाद है, चुनावी प्रचार में उन्हें पार्सल उम्मीदवार माना था, लेकिन देवराव भोंगले द्वारा इस तालुका के लोगों के लिए किए गए कार्यों से तालुका के मतदाता अवगत थे। जिसकी वजह से भाजपा के देवराव भोंगले को गोंडपिपरी तालुका से भारी मतों से बढ़त दिलाई और जीत का परचम लहराकर कड़े मुकाबले में जीत हासिल हुई. इस जीत पर गोंडपिपरी तालुका के लोगों के साथ-साथ देवराव भोंगले ने भी बहुत खुशी व्यक्त की. पूर्व विधायक को भरोसा था कि गोंडपिपरी तालुका परंपरा के अनुसार उनके पक्ष में है और जातीय गणित 'अच्छा' है, लेकिन उन्होंने उस प्रतिष्ठान को धक्का क्यों दिया जिसने हमेशा तालुका को बेदखल किया? गोंडपिपरी तालुका के लोग बता रहे हैं कि उमा, वर्धा, वैनगंगा नदी सघन वन क्षेत्र में होने के बावजूद सिंचाई से वंचित है और रोजगार की गंभीर समस्या ज्यों की त्यों है।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय प्रवेश प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन

चंद्रपुर. शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, देवाडा में कक्षा 6वीं, 7वीं और 9वीं के बैकलॉग को भरने के लिए वर्तमान में कक्षा 5वीं में पढ़ रहे हैं और कक्षा 6वीं से 8वीं में भी पढ़ रहे हैं और जिनके माता-पिता की आय 6 लाख है. ऐसे छात्र अनुसूचित जनजाति / अनुसूचित जनजाति के छात्र एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना का एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, देवाडा में 23 फरवरी 2024 सुबह 11 से 1 तक तथा कक्षा 6वीं, 7वीं एवं 9वीं के विद्यार्थियों के लिए 11 से 2 तक। राजुरा में प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया जायेगा. हालाँकि, उक्त प्रवेश-पूर्व प्रतियोगी परीक्षा के लिए निर्धारित आवेदन पत्र एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना, सिविल लाइन, जिला खेल परिसर के पीछे, चंद्रपुर और इस परियोजना के तहत संचालित सभी सरकारी आश्रम स्कूलों और सरकारी आदिवासी बालक/ बालिका छात्रावासों से प्राप्त किया जाना चाहिए। साथ ही अद्यतन जानकारी से भरा हुआ निर्धारित प्रारूप में आवेदन आवश्यक दस्तावेजों की फोटोकॉपी के साथ 25 जनवरी 2025 तक उपरोक्त निर्दिष्ट स्थान पर जमा करना होगा। ज्ञात हो कि निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा, ऐसी जानकारी परियोजना अधिकारी विकास राचेलवार ने दी है.

स्वाब का सराहनीय कार्य, 300 से अधिक सांपों को दिया जीवनदान

> 25 से अधिक गांवों में 300 से अधिक विषैले, गैर विषैले, अर्ध विषैले, सांपों को जिंदगी

चंद्रपुर.

नागभीड तालुका के मंगरूल में स्वाब संस्था के मित्रसर्प को अजगर देखने की सूचना दी गई कि घर में एक अजगर है और एक अजगर मकड़ी के जाल में फंस गया है. स्वाब संस्था के सदस्यों ने गांव में पहुंचकर अजगर को ढूंढा और जन जोखिम में डालकर धान की बोरी में काफी मशक्कत के बाद पकड़ लिया.

जैसे ही दो अजगर एक आठ फीट और दूसरा साढ़े छह फीट लंबा अजगर गिरफ्त में आने की खबर गांव में पहुंची तो सभी ग्रामवासियों ने राहत की सांस ली. सर्पमित्र के वनरक्षक सिदाम के मार्गदर्शन में वनकर्मी सचिन चिलबुले ने दोनों महाकाय अजगरों को वन अधिकारियों की मौजूदगी में सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया।

खास बात यह है कि मानसून सीजन में इन दोनों अजगरों के साथ 'स्वैब इंस्टीट्यूट के सर्प मित्र' ने क्षेत्र के कई गांवों से नाग, मन्यार और नागिन जैसे जहरीले सांप, अजगर, धामन, रूका, तस्कर, धुआँ साँप, वल्ला जैसे गैर विषैले साथही भारत के सबसे बड़े सांप जैसे मंज्र्या, सैंड स्नेक और अर्ध विषैले अजगर जैसे 'फॉरस्टन कैट

स्नेक' से लेकर चंचुवाड़ा जैसे भारत के सबसे छोटे सांप तक, कुल मिलाकर 300 से अधिक सांपों को पकड़कर जंगल में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। साथ ही सांपों के प्रति फैले अंधविश्वासों एवं भ्रांतियों को दूर करने एवं सांपों के प्रति जनजागरूकता लाने के उद्देश्य से क्षेत्र में मानव मृत्यु दर को शून्य प्रतिशत तक लाने के उद्देश्य से लगातार एक माह तक क्षेत्र के 25 गांवों में जाकर शारदा, दुर्गा, गणेश, उत्सव आदि कार्यक्रम का आयोजन भी इस संस्था द्वारा किया गया।

इससे क्षेत्र के लोगों में सांपों का डर दूर हो गया और सांपों से बचाव के प्रति जागरुकता पैदा हुई। इसके चलते अगर गांव में बड़ी संख्या में सांप पाए जाते हैं तो इस संस्था के सर्प मित्रों के पास फोन आ जाते हैं।

और रात हो या दिन, धूप हो या बारिश, संकट में फंसे सांपों को तुरंत संस्था के सर्प मित्र पकड़कर बचा लेते हैं। यह कार्य स्वाब संस्था के बचाव दल प्रमुख एवं सर्प मित्र जीवेश सयाम, जीवन गुरमुले, महेश बोरकर, यश कैरकर, अमन कारकड़े, विकास लोनबाले, छत्रपति रामटेके, नितिन भेंडाले, भोलेनाथ सुरपम, हितेश मुंगमोड़े, अमीर कारकड़े द्वारा किया जाता है।

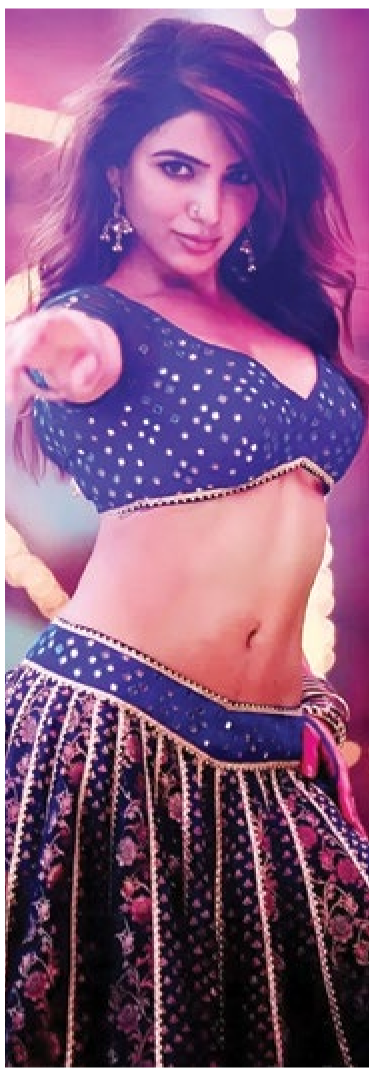

सामंथा ने आइटम सांग के लिए वसूले 5 करोड़

बॉलीवुड में अब तक अनगिनत आइटम सॉन्ग बने हैं, जिस पर एक्ट्रेसेस अपने सिजलिंग डांस स्टेज से दर्शकों के रोंगटे खड़े कर देती हैं. इस लिस्ट में नोरा फतेही, राखी सावंत, मलाइका अरोड़ा और सनी लियोनी का नाम है. ये एक्ट्रेसेस फिल्मों में एक गाने के लिए मोटी रकम लेती हैं, लेकिन साउथ की एक हसीना ने इन सभी का रिकॉर्ड तोड़ दिया. आज हम आपको इसी एक्ट्रेस के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होंने फिल्म में एक गाना करने के लिए करोड़ों में फीस ली और उस गाने ने इंटरनेट पर आग लगा दी.

हम बात कर रहे हैं साउथ की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक सामंथा रुथ प्रभु की. सामंथा सालों से एक्टिंग कर रही हैं, लेकिन उन्होंने पुष्पा के पहले पार्ट में महज 4 मिनट में आग लगा दी. सामंथा ने फिल्म पुष्पा द राइज के गाने ऊ अंटावा में अपने डांस से आग लगा दी थी. ये गाना जितना लोगों को आया, उतने ही सामंथा के डांस मूव्स पर फैंस फिदा हो गए थे. पुष्पा का पहला पार्ट पांच भाषाओं में रिलीज हुआ था, जिसमें हिंदी भी शामिल है. मजेदार बात ये है कि हिंदी वर्जन के गाने में भी सामंथा ने ही अपना जलवा दिखाया था, जो फैंस के लिए ट्रीट से कम नहीं था.

इस गाने में समांथा रुथ प्रभु ने गजब का डांस किया था. उन्हें अल्लू अर्जुन का भी जबरदस्त साथ मिला था. दोनों की सिजलिंग केमिस्ट्री ने फैंस का दिल जीत लिया था. यही वजह थी कि पुष्पा 1 को जितनी तारीफें मिलीं उतनी ही तारीफें अकेले इस गाने को भी मिली थीं.

आपको जानकर हैरानी होगी कि सामंथा रुथ प्रभु ने इस गाने के लिए 5 करोड़ रुपये चार्ज किए थे, जो अब तक किसी भी एक्ट्रेस ने एक आइटम सॉन्ग के लिए नहीं लिए हैं. सामंथा की फीस पुष्पा 1 रिलीज होने से पहले ही चर्चा होने लगी थी.

फ्लाइट में अल्लू-रश्मिका ने मचाया धमाल

साउथ सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. ये फिल्म 5 दिसंबर को देशभर में रिलीज हो रही है, जिसमें अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी एक बार फिर धमाल मचाने वाली है. इस फिल्म में अल्लू अर्जुन इंटरनेशनल लेवल पर फायर करेंगे. जल्द ही फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होने वाली है और दोनों स्टार भी फिल्म का प्रमोशन करने में लग चुके हैं. इन सबके बीच रश्मिका मंदाना ने कुछ ऐसी फोटोज शेयर की हैं, जिसे देख फैंस खुश हो गए हैं. इन फोटोज में दोनों एक्टर मस्ती करते दिख रहे हैं.

रश्मिका और अल्लू अर्जुन इन दिनों अपनी फिल्म पुष्पा 2 के प्रमोशन में लग गए हैं. फिल्म के लिए हाल ही में कोच्चि में एक इवेंट हुआ. उससे पहले रश्मिका ने कुछ फोटोज शेयर किए हैं. इन फोटोज में रश्मिका अल्लू अर्जुन के साथ मस्ती करती दिख रही हैं. ये फोटो फ्लाइट के अंदर लिया है, जिससे साफ है कि दोनों फिल्म के लिए कहीं पर ट्रेवल कर रहे हैं. रश्मिका और अल्लू अर्जुन की इन फोटोज को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं.

नागार्जुन के छोटे बेटे ने भी कर ली सगाई

नागार्जुन के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी ने अपनी प्रेमिका ज़ैनब रवाद्जी से सगाई कर ली है. यह खुशखबरी खुद अखिल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की. उन्होंने अपनी और ज़ैनब की कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, ;मुझे मेरा सच्चा साथी मिल गया है.' अखिल ने जो तस्वीरें साझा कीं, उनमें दोनों ने ऑफ-व्हाइट आउटफिट पहना है. पहली तस्वीर में यह जोड़ी एक-दूसरे का हाथ थामे हुए नजर आ रही है, जबकि बाकी तस्वीरों में रोमांटिक पोज़ देते हुए दिख रहे हैं. इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत लिया.

नागार्जुन ने ज़ैनब का अपनी फैमिली में स्वागत करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, `हम अपने बेटे अखिल अक्किनेनी और होने वाली बहू ज़ैनब रवाद्जी की सगाई की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं. ज़ैनब को परिवार में शामिल करके बहुत खुशी हो रही है. आप सभी से इस जोड़ी को प्यार और आशीर्वाद देने की अपील है.'

अखिल अक्किनेनी की यह दूसरी सगाई है. 2016 में उन्होंने जीवीके रेड्डी की पोती श्रिया भूपाल से सगाई की थी. उनकी शादी इटली में बड़े धूमधाम से होने वाली थी, लेकिन 2017 में उन्होंने अपनी शादी रद्द कर सबको चौंका दिया. शादी रद्द करने का कारण आज भी अज्ञात है.

इस बीच, अक्किनेनी परिवार में एक और बड़ी खुशी की तैयारी चल रही है.

मलाइका ने फिर मारा अर्जुन को ताना

एक जमाने में बॉलीवुड के पावर कपल कहलाए जाने वाले मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर अब साथ नहीं हैं. कुछ महीनों पहले ही अर्जुन कपूर और मलाइका का ब्रेकअप हुआ है. फिल्म सिंघम अगेन के प्रमोशन के दौरान अर्जुन ने इस खबर पर मुहर लगाकर सबका दिल तोड़ दिया था. अर्जुन कपूर ने दावा किया था कि वो फिलहाल सिंगल हैं.

ब्रेकअप होने के बाद भी अर्जुन और मलाइका के बीच की तकरार कम होने का नाम नहीं ले रही है. आए दिन अर्जुन और मलाइका सोशल मीडिया के जरिए एक दूसरे को ताने मारते रहते हैं. हाल ही में अर्जुन कपूर ने दावा किया था कि वो मलाइका अरोड़ा को रात के 3 बजे मैसेज किया करते थे. इसी बीच अर्जुन को लेकर मलाइका अरोड़ा ने एक और ताना मार दिया है अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर मलाइका अरोड़ा ने लिखा, मैं उन लोगों के बारे में परवाह नहीं कर सकती जो मुझे पसंद नहीं करते. मैं उन लोगों को प्यार करने में वयस्त हूं जो मुझे प्यार करते हैं. मलाइका अरोड़ा ने ये स्टोरी लगाकर सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. लोग दावा कर रहे हैं कि मलाइका अरोड़ा को एक बार फिर से सच्चा प्यार हो गया है. हाल ही में मलाइका अरोड़ा को एक मिस्ट्री मैन के साथ देखा गया था. इस दौरान मलाइका अरोड़ा काफी खुश नजर आ रही थीं.मिस्ट्री मैन के साथ मलाइका अरोड़ा को देखकर फैंस के बीच सनसनी मच गई थी. फैंस को लग रहा है कि मलाइका अरोड़ा अब ब्रेकअप के दर्द से पूरी तरह से उबर चुकी हैं. तभी तो मलाइका अरोड़ा ने किसी और को डेट करने का फैसला किया है. हालांकि हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने दावा किया था कि वो फिलहाल किसी को भी प्यार करने में मूड में नहीं हैं. हालांकि मलाइका अरोड़ा के फैसले तो कुछ और कहानी ही बयां कर रहे हैं.

अलग हुए धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत

साउथ एक्टर धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत ने शादी के 20 साल बाद डिवोर्स लिया है. दोनों के तलाक को कोर्ट ने मंजूरी दे दी है. दो साल पहले सेपरेशन अनाउंस करने के बाद अब धनुष और ऐश्वर्या को कोर्ट से तलाक मिल गया है. खबरों के मुताबिक चेन्नई परिवार कल्याण अदालत ने जोड़े को तलाक दे दिया क्योंकि उन्होंने कहा था कि वे एक साथ नहीं रह सकते.

दोनों के तलाक के मामले में पहले ही तीन बार सुनवाई हो चुकी थी. वहीं धनुष और ऐश्वर्या कभी भी किसी भी सेशन में शामिल नहीं हुए. ऐश्वर्या 21 नवंबर को अदालत में पेश हई थीं. जहां दोनों ने अदालत में अपनी मंशा जताते हुए कहा कि वे अलग-अलग रास्तों पर आगे बढ़ना चाहते हैं. जिसके बाद जज ने 27 नवंबर को सुनवाई रखी थी. दोनों ने 2004 में चेन्नई में धूमधाम से शादी की थी. वहीं कपल ने 17 जनवरी 2022 को एक संयुक्त बयान जारी कर अपने अलग होने का निर्णय शेयर किया था. कपल के दो बेटें हैं. हाल ही में एक्टर नयनतारा के आरोपों के बाद सुर्खियों में है.उधर, धनुष की टीम की तरफ से नयनतारा के खिलाफ 10 करोड़ का लीगल नोटिस भेजा गया, जिसमें ये दावा किया गया था कि नानुम राउडी धान के उस क्लिप को यूज करने के लिए उनसे अनुमति नहीं ली गई। बाद में नयनतारा ने जवाबी पलटवार में बताया कि उन्होंने धनुष की टीम से बार-बार निवेदन किया था, लेकिन उनकी तरफ से परमिशन नहीं मिली थी।

संभल हिंसा पर स्वरा भास्कर ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर अपनी फिल्मों के अलावा अपनी बेबाकी अंदाज के लिए जानी जाती हैं. भले ही स्वरा भास्कर लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं, लेकिन बावजूद इसके वह किसी न किसी वजह से खबरों में बनी रहती हैं. इस वक्त स्वरा भास्कर अपने एक पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें उन्होंने संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए हिंसा को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है. एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने कहा कि हम उस स्थिति पर हैं, जहां कानून नागरिकों की हत्या सिर्फ इसलिए कर रहा है क्योंकि वे मुसलमान हैं.

स्वरा भास्कर ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि `न्यायपालिका इस समय भगवान से सलाह ले रही है कि उन्हें अपना काम कैसे करना है. यह पूरी तरह से बकवास है.' विवादों के बीच स्वरा का ये पोस्ट लोगों का ध्यान खींच रहा है.लोग इसपर तरह के के कमेंट करते नजर आ रहे हैं.

बता दें कि ये मामला तब शुरू हुआ जब संभल की जामा मस्जिद में अदालत के आदेश पर रविवार को सर्वे किए जा रहा था. इसका विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ गए थे. इस हिंसा के दौरान हुई गोलीबारी और पथराव के दौरान कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई और लगभग 20 लोग जख्मी हुए. हिंसा के बाद व्याप्त तनाव को देखते हुए संभल तहसील में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी.

अकेले ही दुबई के एक इवेंट से वापस लौटी ऐश्वर्या

एक ग्लोबल आइकन हैं। अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी ऐश्वर्या राय काफी सुर्खियों में बनी हुई है। अभिषेक बच्चन संग तलाक की अफवाहों के बीच ऐश्वर्या राय बच्चन ने कुछ ऐसे कदम उठाए हैं, जिन्हें सीधे तौर पर दोनों के रिश्ते की ओर इशारा डालते हैं। अब एक बार फिर तलाक की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस दुबई के एक इवेंट में हिस्सा लेने के बाद अब मुंबई लौट आई हैं। 28 नवंबर को ऐश्वर्या राय को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया है।इस बीच एक्ट्रेस ब्लैक आउटफिट में काफी बेहतरीन लग रही हैं। जिसके बाद उनके इस लुक को लेकर काफी बातें भी हो रही है। हमेशा की तरह इस बार भी ऐश्वर्या के चेहरे पर एक बड़ी सी मुस्कान नजर आ रही है।हाल ही में स्पॉट हुईं ऐश्वर्या राय बच्चन अपनी बेटी आराध्या बच्चन और पति अभिषेक के बिना ही नजर आ रही हैं। उनका ये लुक अब काफी वायरल हो रहा है। कई लोगों का तो यह भी मानना है कि ऐश्वर्या ने अपना वजन भी पहले से कम कर लिया है।

24 महीने में आ रही हैं ये 20 फिल्में

साल 2024 में बॉलीवुड और साउथ वालों ने मिलकर खूब भौकाल काटा. कभी बॉक्स ऑफिस पर साउथ इंडस्ट्री का दबदबा रहा, तो कभी बॉलीवुड का. इस साल का आखिरी महीना शुरू होने वाला है. जितना फैन्स को 'पुष्पा 2'-'बेबी जॉन' का इंतजार है, उतना ही अगले 2 साल में आने वाली पिक्चरों को लेकर भी बज बना हुआ है. अगले 24 महीने में ये 20 फिल्में आने वाली हैं. जिनकी ऑफिशियल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है.यूं तो अगले साल शाहरुख खान की कोई फिल्म नहीं आएगी. 2026 में किंग को लाने का ऐलान किया गया है, पर अबतक डेट कंफर्म नहीं की गई है. वहीं सलमान खान और सनी देओल भी अपनी-अपनी फिल्मों के साथ बड़ी जंग की तैयारियां कर चुके हैं. इस साल कई बड़ी फिल्मों को रिलीज किया जाना था.

भाभी श्रीमा राय ने ऐश्वर्या को मारा ऐसा ताना

ऐश्वर्या राय का नाम इन दिनों सुर्खियों में है. दावा है कि उनका और अभिषेक बच्चन का रिश्ता ठीक नहीं चल रहा है. कई बार तलाक की अफवाहें उठ चुकी हैं. इस बीच अब ऐश्वर्या राय और उनकी भाभी श्रीमा राय के बीच भी कुछ तो गड़बड़ चल रही है, जिसका अंदाजा लोगों ने श्रीमा राय के एक कमेंट से लगाया है. बीते दिनों श्रीमा राय ने एक पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने ऐश्वर्या राय के लिए कुछ ऐसा लिख दिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इस पोस्ट ने लोगों का ध्यान अब खींचा है. इसी पोस्ट से अंदाजा लगाया जा रहा है कि ऐश्वर्या और उनकी भाभी के बीच सब कुछ ठीक नहीं है.

दरअसल, कुछ समय पहले श्रीमा राय ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटो शेयर की थी, जिसमें वह अपने ससुराल वालों के साथ नजर आ रही थीं. तस्वीर में श्रीमा के पति आदित्य राय, उनके दोनों बच्चे और सासु मां नजर आईं.इस तस्वीर पर लोगों ने खूब प्यार लुटाया,लेकिन एक यूजर ने श्रीमा रॉय से सवाल कर लिया कि वह कभी ऐश्वर्या राय और आराध्या के साथ तस्वीर शेयर क्यों नहीं करती हैं. उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर दोनों के साथ एक भी तस्वीर नहीं है. इस सवाल का जवाब श्रीमा ने भी दिया है, जो अब वायरल हो रहा है. श्रीमा ने लिखा है, `आप उनकी सभी तस्वीरें देखने के लिए उनके पेज पर जा सकते हैं और वहां आपको केवल उनकी तस्वीरें मिलेंगी और हमारी एक भी तस्वीर नहीं मिलेगी। ऐश्वर्या राय ने साल 2019 में अपने भाई और भाभी संग कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिसे एक्ट्रेस ने फैमिली टाइम बताया था.

रिकी पोंटिंग ने की इंडियन टीम की तारीफ

विदेशी पिच पर घरेलू मैदान से बेहतर खेलती है टीम इंडिया

एडिलेड.

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेली जा रही पांच टेस्ट मैचों की बार्डर गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा मुक़ाबला 6 दिसंबर से खेला जाएगा। एडिलेड ओवर में खेला जाने वाला यह मैच डे -नाइट टेस्ट होगा। इस मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ की है। पोंटिंग का मानना है कि भारतीय टीम विदेशी विकेटों और परिस्थितियों में घरेलू मैदान से बेहतर खेलती है। यह टिप्पणी भारत द्वारा पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराने के बाद आई है।

पहली पारी में पहले बल्लेबाजी करने के अपने फैसले का फायदा उठाने में विफल रहने के बाद, जसप्रीत बुमराह की अगुवाई वाली टीम ने दूसरी पारी में शीर्ष तीन बल्लेबाजों यशस्वी जसवाल (161), केएल राहुल (77) और विराट कोहली (नाबाद 100) के दमदार बल्लेबाजी प्रदर्शन के साथ वापसी की। मेहमान टीम ने मैच जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया के सामने 534 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा, जिसे वे हासिल करने में विफल रहे और भारतीय तेज गेंदबाजों के सामने ढेर हो गए। बुमराह ने मैच में आठ विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा ने पांच और चार विकेट लिए। रिकी पोंटिंग ने कहा,"ऑस्ट्रेलिया किस अंतर से हारा? लगभग 300 रन से। इसलिए, वे बहुत निराश होंगे। जब भारत ने टॉस जीता तो पहले दिन सभी ने मुझसे बल्लेबाजी करने के बारे में पूछा, और मैंने कहा, नहीं, बिल्कुल, आपको वहां पहले बल्लेबाजी करनी होगी। वहां चार टेस्ट मैच खेले गए हैं। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने चारों बार जीत हासिल की है।'

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा,' आप आंकड़ों के विपरीत नहीं जाना चाहते। हालाँकि वे 150 रन पर आउट हो गए, फिर भी उन्हें उस विकेट पर गेंदबाजी करने का मौका मिला, जिस पर गेंदबाजी करना शायद सबसे अच्छा था। और उन परिस्थितियों में बुमराह, और सिराज, और वास्तव में वे तीनों। और नीतिश रेड्डी। वे सभी बहुत अच्छे हैं। इसलिए, आपको उन्हें श्रेय देना होगा।'स्टार्क ने कहा,"वह अपना पहला मैच नहीं खेल रहा है, इसलिए जाहिर तौर पर उसके बारे में थोड़ी हाइप रही है, और वह निश्चित रूप से बहुत कुशल है। मुझे लगता है कि हमने इस हफ़्ते दूसरी पारी में यह देखा। वह भारत में एक बहुत बड़ी प्रतिभा है, और वह उनके लिए बहुत क्रिकेट खेलने जा रहा है। पहली पारी में उसे सस्ते में आउट करना अच्छा था, लेकिन उसने निश्चित रूप से दूसरी पारी में अपनी भरपाई की।" भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेला जाएगा, जो 6 दिसंबर से शुरू होगा।

कीवी के विलियमसन ने जीता दिल

नई दिल्ली.

केन विलियमसन इंजरी से लौटे थे. 2 महीने से क्रिकेट से दूर थे. लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च टेस्ट की अपनी इनिंग में उन्होंने ऐसा कुछ भी महसूस नहीं होने दिया. बल्कि उन्होंने इस साल घर में जारी बेहतरीन टेस्ट रिकॉर्ड को इंग्लैंड के खिलाफ भी बरकरार रखा. जैसे वो इंजरी से पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में खेलते दिखे थे. ठीक वैसा ही खेल रहे थे. साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 3 शतक जड़ने वाले विलियमसन इंग्लैंड के खिलाफ भी शतक के करीब पहुंच गए थे. लेकिन, उसे हासिल करने से चूक गए.

केन विलियमसन का विकेट इंग्लैंड के गेंदबाज अटकिंन्सन ने तब लिया जब वो 93 रन पर खेल रहे थे. यानी अपने 33वें टेस्ट शतक से बस 7 रन दूर थे. शतक चूकने का मलाल जरूर रहा लेकिन उसके बावजूद विलियमसन क्रिकेट फैंस का दिल जीतते दिखे. दरअसल, फैंस ये देखकर खुश थे कि इंजरी की वजह से क्रिकेट से दूर रहने के बाद भी विलियमसन की बल्लेबाजी पर उसका असर नहीं पड़ा है. केन विलियमसन के 93 रन पर आउट होकर 33वें टेस्ट शतक के चूकने का अफसोस एक ओर जहां रहा वहीं दूसरी तरफ फैंस इस बात से खुश दिखे कि वो इंजरी से लौटते हुए दमदार पारी खेलने में कामयाब रहे.

केन विलियमसन को श्रीलंका दौरे पर खेली टेस्ट सीरीज में चोट लग गई थी, जिसके बाद वो अक्टूबर में भारत के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज में नहीं खेल सके थे. अब उन्होंने पूरी तरह रिकवर होने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ वापसी की और सीरीज की पहली ही इनिंग में अपनी काबिलियत का प्रदर्शन कर दिया.

डिंग लिरेन को हराकर गुकेश की शानदार वापसी

नई दिल्ली.

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने शानदार वापसी करते हुए गत चैंपियन डिंग लिरेन को तीसरे दौर में हरा दिया। सिंगापुर के रिसॉर्ट्स विश्व सेंटोसा में हो रही विश्व शतरंज चैंपियनशिप के फाइनल में चीन के लिरेन को पहली हार का सामना करना पड़ा। पहले गेम में लिरेन ने जीत दर्ज की थी, जबकि दूसरा गेम ड्रॉ रहा था। यह गुकेश की विश्व शतरंज चैम्पियनशिप के फाइनल में पहली जीत है, जबकि अभी 11 गेम बाकी हैं। भारतीय फैंस के लिए यह खुशी का मौका है, क्योंकि गुकेश अपनी लय हासिल करते दिख रहे हैं। उन्होंने समय रहते तीसरा गेम अपने नाम किया।

गुकेश ने क्वींस गैम्बिट डिक्लाइन्ड में अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी की गलती का फायदा उठाया और जीत की स्थिति में पहुंच गए। डिंग दिए गए समय में आवश्यक 40 चालें पूरी करने में असफल रहे और 37वीं चाल के बाद घड़ी रुकने के कारण वह जीत से चूक गए।

गुजरात जाएंट्स ने बंगाल वॉरियर्स को 2 अंक से हराया

नोएडा.

गुजरात जाएंट्स ने अंतिम मिनट में ऑल आउट लेते हुए नोएडा इंडोर स्टेडियम में रिवेंज वीक के तहत बुधवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 80वें मैच में बंगाल वॉरियर्स को 39-37 के स्कोर से हरा दिया। यह इस सीजन में गुजरात की 13 मैचों में चौथी जीत है जबकि बंगाल को इतने ही मैचों में आठवीं हार मिली।

गुजरात के लिए गुमान सिंह ने 12 अंक लिए जबकि हिमांशु ने 6 अंक जुटाए। इसी तरह बंगाल के लिए मनिंदर सिंह (11) ने लंबे समय बाद सुपर-10 लगाया जबकि नितेश ने डिफेंस से 6 और फजल अतराचली ने चार अंक लिए। इस जीत के साथ गुजरात अंक तालिका में 11वें से 10वें स्थान पर आ गई है। कप्तान गुमान ने तीसरे मिनट में सुपर रेड के साथ गुजरात को 5-1 की लीड दिला दी थी। अगली रेड पर हालांकि फजल ने प्रतीक को बाहर किया औऱ फिर नितिन ने डू ओर डाई रेड पर दो अंक ले स्कोर 4-5 कर दिया। बंगाल ने इसके बाद लगातार दो अंक लेकर स्कोर बराबर कर गुजरात के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।इस बीच हिमांशु ने मनिंदर को सुपर टैकल कर स्कोर 8-6 कर दिया। फिर हिमांशु ने डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर फासला 4 का कर दिया। 10 मिनट बाद गुजरात 11-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद बंगाल ने एक के मुकाबले चार अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। फिर नितिन ने प्रियांक को आउट कर गुजरात को ऑल आउट की ओर धकेला। मनिंदर गए और मोहित का शिकार कर गुजरात को ऑल आउट कर स्कोर 15-15 कर दिया। आलइन के बाद मनिंदर ने दो अंक ले पहली बार बंगाल को दो अंक की लीड दिला दी। गुजरात ने हालांकि जल्द स्कोर बराबर कर दिया।

बंगाल ने इसके बाद हालांकि लगातार दो अंक लेकर 20-19 स्कोर पर पाला बदला। हाफ टाइम के बाद मनिंदर खुद डू ओर डाई रेड पर आए और जितेंद्र का शिकार किया लेकिन प्रतीक ने इसी तरह की रेड पर दो अंक लेकर स्कोर 21-21 कर दिया। इस बीच गुजरात ने 24-22 की लीड ले ली। इस बीच बंगाल ने गुमान और प्रतीक को बाहर कर दिया। अगली रेड पर क्लासिकल टो टच पर मनिंदर ने स्कोर बराबर कर दिया। फिर हिमांशु को लपक मयूर ने बंगाल को 26-25 से आगे कर गुजरात के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। नितिन ने हिमांशु का शिकार कर गुजरात को ऑल आउट की ओर धकेल दिया लेकिन नितिन का सुपर टैकल कर मोनू ने नितिन को सुपर टैकल कर गुजरात को लीड दिला दी।

अजिंक्य रहाणे ने ठोका तूफानी अर्धशतक

नई दिल्ली.

पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे इन दिनों डोमेस्टिक टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेल रहे हैं। बुधवार को मुंबई और महाराष्ट्र के बीच खेले गए ग्रुप ई के एक मुक़ाबले में रहाणे ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 31 गेंद पर अर्धशतक जड़ा।

मुंबई के लिए चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए रहाणे ने 34 गेंदों पर 52 रन की बेहतरीन पारी खेली। इस दौरान भारतीय बल्लेबाज ने 3 चौके और 3 छक्के लगाए। उनकी इस बेहतरीन पारी की मदद से मुंबई ने महाराष्ट्र को 5 विकेट से हरा दिया। रहाणे ने अपनी इस पारी से

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए कोलकाता नाइटराइडर्स की कप्तानी के लिए दावेदारी मजबूत की है। मेगा ऑक्शन में केकेआर ने रहाणे को उनके बेस प्राइज़ 1.50 करोड़ में खरीदा है। उनके पास लंबे समय तक राजस्थान रॉयल्स, भारतीय क्रिकेट टीम और मुंबई की कप्तानी करने का अनुभव है। वहीं दूसरी ओर केकेआर के पास कप्तानी के लिए वेंकटेश अय्यर जैसा युवा ऑलराउंडर भी है। लेकिन अय्यर को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा है। ऐसे में उनपर बड़े प्राइज़ का मानसिक दवाब तो होगा ही और टीम उनपर कप्तानी का दवाब नहीं डालना चाहेगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के पास कप्तानी का अनुभव भी नहीं है। रहाणे की धांसू बैटिंग देखकर केकेआर के मालिक शाहरुख खान और जूही चावला खुश होंगे। कोच चंद्रकांत पंडित भी चाहेंगे कि अगर अजिंक्य रहाणे फॉर्म में होते हैं तो उनके पास एक अनुभवी कप्तान का ऑप्शन होगा।

दुनिया की सबसे नई टी20 लीग में हुआ सुपर ओवर

नई दिल्ली.

सुपर ओवर का रोमांच फिर से दिखा है. इस बार इसका नजारा दिखा है दुनिया की सबसे नई टी20 लीग में. रोमांच ऐसा रहा है कि आप भूल ही नहीं पाएंगे. हम बात कर रहे है वेस्टइंडीज की माटी पर शुरू हुए ग्लोबल सुपर लीग की, जिसमें सीपीएल, पीएसएल, बीपीएल और इंग्लैंड की टी20 टीम मिलाकर कुल 5 टीमें खेल रही हैं. 26 नवंबर से शुरू हुई लीग का दूसरा मैच 27 नवंबर को खेला गया, जिसमें सुपर ओवर का रोमांच नजर आया. ये मुकाबला रंगपुर राइडर्स और हैम्पशर के बीच था.

मुकाबले में हैम्पशर ने टॉस जीता और 20 ओवर में 132 रन बनाकर

ऑल आउट हो गई. जवाब में रंगपुर राइडर्स वाले ऑल आउट तो नहीं हुए पर वो भी 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन से ज्यादा नहीं बना सके. और, इस तरह 133 रन के लक्ष्य को हासिल करने से चूक गए. अब स्कोर बराबर मतलब मुकाबला बराबरी पर, जिसका फैसला सुपर ओवर से हुआ.

सुपर ओवर में रंगपुर राइडर्स ने पहले बैटिंग की. हैम्पशर की ओर से गेंदबाजी करने आए क्रिस वुड ने पहली दो गेंदों पर सिंगल दिए. उसके बाद तीसरी गेंद पर उन्हें एक छक्का लगा. चौथी और 5वीं गेंद पर फिर से सिंगल बने. जबकि छठी यानी आखिरी गेंद पर तीसरा रन लेने के चक्कर में रंगपुर राइडर्स के बल्लेबाज रन आउट हो गए. विकेट तो गिर गया मगर 2 रन आखिरी गेंद पर भी आए. इस तरह रंगपुर राइडर्स ने सुपर ओवर में 12 रन बनाए. अब हैम्पशर को जीतने के लिए सुपर ओवर में 13 रन बनाने थे. रंगपुर राइडर्स के गेंदबाज जैक चैपल को पहली गेंद पर छक्का लगा.

आईसीसी की बैठक से पहले पीसीबी चेयरमैन ने चली बड़ी चाल

नई दिल्ली.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में होगा या हाइब्रिड मॉडल पर या फिर किसी अन्य देश को इसकी मेजबानी सौंपी जाएगी। इसको लेकर शुक्रवार 29 नवंबर को आईसीसी बोर्ड सदस्यों की बैठक होने जा रही है लेकिन इससे ठीक पहले गुरुवार को पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी समानता का अधिकार मांगते हुए बड़ा दांव खेल दिया है। उन्होंने कहा है कि हम भारत जाकर खेलें और जब भारत की बारी आए तो वह पाकिस्तान में खेलने से मना कर दे, ये हमें गंवारा नहीं है। नकवी ने भरोसा जताया कि बैठक में फैसला पाकिस्तान के हित में लिया जाएगा। हम सरकार के निर्देश के बाद चैंपयिस ट्रॉफी पर अंतमि फैसला लेंगे।

इस दौरान मोहसिन नकवी ने ये भी पुष्टि की कि बीसीसीआई ने

उन्हें पाकिस्तान नहीं आने के बारे में कोई लिखित संदेश नहीं भेजा। नकवी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- मैं लगातार आईसीसी अध्यक्ष के संपर्क में हूं और उनसे मेरी टीम लगातार बात कर रही है। हम अपने रुख पर स्पष्ट हैं। हमें यह कतई स्वीकार नहीं कि हम भारत में खेलें और वे हमारे यहां क्रिकेट नहीं खेलें। अब सब समानता के आधार पर ही होगा। इस संबंध में हमने आईसीसी को भी स्पष्ट बता दिया है। आगे की अपडेट हम आपको बताएंगे। 'पाकिस्तान को सबसे अच्छा रजिल्ट मिलेगा' मोहसिन नकवी ने आगे कहा कि हम जो भी करेंगे, हम ये सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि पाकिस्तान को सबसे अच्छा रजिल्ट मिलें लेकिन मैं दोहराता हूं और मुझे पूरा यकीन है कि आप भी समझ गए होंगे। अब ये संभव नहीं है कि हम भारत में खेलें और जब भारत की बारी आए तो वह यहां न आएं।

रोनाल्डो और मेसी के विशेष क्लब में स्टार स्ट्राइकर लेवांडोवस्की शामिल

बार्सिलोना.

बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोवस्की ने यूएफा चैंपियंस लीग में अपने 100 गोल पूरे कर लिए हैं और इसके साथ ही वे क्रिस्टियानो रोनाल्डो व लियोनल मेसी के विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। लेवांडोवस्की यूएफा चैंपियंस लीग में 100 गोल करने वाले दुनिया के तीसरे फुटबॉलर बन गए हैं। उन्होंने स्टेड ब्रेस्ट के खिलाफ खेले गए मैच में 10वें और दूसरे हाफ के अतिरिक्त समय में गोल किए। उनके अलावा एक गोल दानी ओल्मो ने 66वें मिनट में दागा। इस मैच में बार्सिलोना ने फ्रांसीसी क्लब स्टेड ब्रेस्ट को 3-0 से हराया। बार्सिलोना की यह चौथी जीत है और वह 12 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर कायम है। मैनचेस्टर. अर्लिंग हॉलैंड के दो गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने अपने घरेलू मैदान पर नीदरलैंड्स के क्लब फेयेनोर्ड के खिलाफ 50 मिनट तक 3-0

की मजबूत बढ़त बनाने के बावजूद जीत का मौका गंवा दिया। फेयेनोर्ड ने अंतिम 15 मिनटों में तीन गोल कर मैच 3-3 से ड्रॉ करा लिया। इस मैच में हॉलैंड ने 44वें व 53वें मिनट में, जबकि गुंडोगन ने 50वें मिनट में गोल किया। फेयेनोर्ड के अनीज हड्ज मौसा ने 74वें, सैंटियागो गिमनेज ने 82वें और डेविड हंको ने 89वें मिनट में गोल कर मैनचेस्टर सिटी को ड्रॉ पर रोक लिया। मैनचेस्टर सिटी की टीम पिछले छह मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है। बार्सिलोना के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोवस्की ने ये उपलब्धि हासिल करने के बाद कहा कि 100 गोल पूरे करना बहुत खास है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं कभी चैंपियंस लीग में 100 गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर बेहद खुश हूं। बता दें कि कि लेवांडोवस्की ने 101 गोल 125 मैचों में पूरे किए हैं। 140 गोल के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं शीर्ष पर हैं तो 129 गोल के साथ लियोनल मेसी दूसरे पायदान पर हैं। इंटर मिलान ने केस्टेलो ल्यूकेबा के आत्मघाती गोल से आरबी लिपजिग को 1-0 से हराकर लीग में शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा है। इंटर मिलान 13 अंकों के साथ शीर्ष पर है। क्लब ने अब तक एक भी गोल नहीं खाया है। एक अन्य मैच में बायर्न म्यूनिख ने पेरिस सेंट जर्मन को 1-0 से, अटलांटा ने यंग बॉयज को 6-1 से और आर्सेनल ने स्पोर्टिंग लिस्बन को 5-1 से पराजित किया।

धोनी की टीम से खेलेगा अंबाला का ये बेटा

अंबाला.

कहते हैं कि जब बच्चे ऊंचाइयों को छूते हैं, तो सबसे ज्यादा खुशी उनके मां-बाप को होती है. वही, बच्चों को ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए मां-बाप दिन-रात मेहनत करते हैं. ऐसी ही एक कहानी अंबाला के गुर जपनीत सिंह की है.हाल ही में आईपीएल 2025 के लिए ऑक्शन हुआ था, जिसमें विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को अलग-अलग टीमों द्वारा खरीदा गया. खास बात यह है कि अंबाला के वैभव अरोड़ा के बाद अब अंबाला के रहने वाले गुर जपनीत सिंह को चेन्नई सुपर किंग्स टीम द्वारा 2 करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा गया है. इसके बाद उनके परिवार में खुशी का माहौल है और घर पर लोग बधाई देने के लिए आ रहे हैं.

गुर जपनीत सिंह के पिता पेशे से एक फोटोग्राफर हैं और उनकी माता अपना खुद का बुटीक चलाती हैं. उनके माता-पिता का कहना है कि उनकी इस सफल यात्रा में बहुत सी

कठिनाइयों के बाद अब यह सफलता उनके हाथ लगी है.

लोकल 18 को ज्यादा जानकारी देते हुए गुर जपनीत सिंह के माता-पिता ने बताया कि शुरू से ही गुर जपनीत को क्रिकेट का बहुत शौक था और अंबाला में कोई स्कोप न मिलने के कारण वह कॉलेज छोड़कर चेन्नई क्रिकेट प्रशिक्षण लेने के लिए चले गए थे.

चेन्नई में प्रशिक्षण और सफलता का सफर

उन्होंने बताया कि चेन्नई स्थित एकेडमी में ट्रायल देकर वह भर्ती हो गए थे और उसके बाद उन्होंने कई मैच खेले और आज इस मुकाम तक पहुंचे हैं. इससे न सिर्फ उनके माता-पिता को, बल्कि पूरे अंबाला को उन पर गर्व करने का मौका मिला है.

धोनी के फैन और भविष्य की उम्मीदें

गुर जपनीत सिंह के पिता ने कहा कि वह पेशे से फोटोग्राफर हैं और उनकी माता अपना बुटीक चलाती हैं. दोनों ही महेंद्र सिंह धोनी के बहुत बड़े फैन हैं, और इस सिलेक्शन के बाद अब वह गुर जपनीत को ब्लू जर्सी में देखना चाहते हैं.

बांग्लादेश के हालात पर पीएम चिंतित

> सदन में बयान के लिए सरकार तैयार

नई दिल्ली.

बांग्लादेश में इस्कॉन लीडर चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद से हालात तनावपूर्ण हैं. अल्पसंख्यकों खासतौर पर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भारत सरकार चिंता जाहिर कर चुकी है. गुरुवार को इसी मामले को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अहम बैठक हुई, जानकारी के मुताबिक विदेश मंत्री ने पीएम को बांग्लादेश के ताजा हालात की जानकारी दी.

सूत्रों के मुताबिक अगर सदन सुचारू रूप से चलता है तो मोदी सरकार बांग्लादेश के मुद्दे पर सदन में बयान देने को तैयार है. दरअसल बुधवार को कांग्रेस ने भी मोदी सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के के मामले में ठोस कदम उठाने की मांग की थी.

सरकार पहले ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सामने चिन्मय दास की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर ऐतराज जता चुकी है.

दरअसल 25 नवंबर को बांग्लादेश में ढाका एयरपोर्ट से इस्कॉन लीडर चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किया गया था, उन पर अक्टूबर के अंत में हुई एक रैली के दौरान बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप है. बांग्लादेश में उनके खिलाफ राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है, वहीं मंगलवार को कोर्ट ने जब उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया तो इस्कॉन समर्थकों की भीड़ कोर्ट के बाहर जुट गई, इस दौरान आरोप है कि भीड़ की हिंसा में एक सरकारी वकील की मौत हो गई. लेकिन शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से देश में अल्पसंख्यकों खास तौर पर हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मामले बढ़ गए हैं.

इस्कॉन पर बैन लगाने की हो रही मांग

वहीं बांग्लादेश की हाईकोर्ट में इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की गई है. इस याचिका के जवाब में यूनुस सरकार ने कोर्ट के सामने इस्कॉन को एक कट्टरपंथी संगठन बताया है. वहीं इस्कॉन लीडर्स समेत देश के कई रिटायर्ड जजों ने पीएम मोदी से हस्तक्षेप करने की मांग की है. बांग्लादेश में इस्कॉन के करीब 65 मंदिर हैं, और 50 हजार से अधिक फॉलोवर्स हैं.

कोयला वसूली घोटाले में अंतरिम जमानत बढ़ी

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उप सचिव सौम्या चौरसिया की अंतरिम जमानत बढ़ा दी। सौम्या चौरसिया कथित कोयला वसूली घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 25 सितंबर को इस मामले में सौम्या चौरसिया को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि वह एक साल और नौ महीने से अधिक समय तक हिरासत में रह चुकी हैं और अभी तक उन पर आरोप भी तय नहीं हुए हैं। सौम्या चौरसिया की अंतरिम जमानत मामले पर कोर्ट ने फिर सुनवाई की। सुनवाई के दौरान पीठ ने मामले की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछा तो सौम्या चौरसिया के वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि अभी तक मुकदमा शुरू भी नहीं हुआ है, जिसके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने का आदेश दिया। अब सुप्रीम कोर्ट जनवरी के अंतिम सप्ताह में इस मामले पर फिर सुनवाई करेगा।

छत्तीसगढ़ कैडर की सिविल सेवक चौरसिया पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कार्यालय में उप सचिव और विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) थीं। बघेल सरकार में सौम्या चौरसिया काफी ताकतवर अधिकारी थीं और सचिवालय में उनका अच्छा खासा दबदबा था।

विमानों में बम की 994 धमकियां फर्जी

नई दिल्ली.

देश में इस वर्ष 13 नवंबर तक विभिन्न विमान कंपनियों को 994 बम की धमकियां मिलीं और इनसे निपटने के लिए मजबूत प्रोटोकाल मौजूद है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में बताया कि ऐसी धमकियों के खतरे से निपटने के लिए मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन सुरक्षा अधिनियम, 1982 और विमान (सुरक्षा) नियम, 2023 के खिलाफ गैरकानूनी कृत्यों के दमन में संशोधन की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि अगस्त 2022 से लेकर 13 नवंबर 2024 तक 1,143 बम की धमकियों भरी काल/मैसेज मिले। अगस्त 2022 से लेकर दिसंबर 2022 तक इनकी संख्या 27 थी, जो 2023 में 122 पहुंच गई। जबकि जनवरी 2024 से लेकर 13 नवंबर 2024 तक इनकी संख्या 994 रही।

मोहोल ने बताया कि हाल ही में मिली धमकियां फर्जी थीं और देश में किसी भी हवाईअड्डे या विमान में किसी भी तरह का खतरा नहीं पाया गया। हालांकि कुछ उड़ानों का संचालन जरूर प्रभावित हुआ। हर हवाईअड्डे पर बम धमकी के खतरों का आंकलन करने के लिए विशेष समिति तैनात है, जो धमकी मिलने पर खतरे को भांपकर जरूरी कार्रवाई करती है।

उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2023 की तुलना में 2024 में विमानों का किराया कम हुआ और त्योहारी मौसम के दौरान कई मार्गों पर टिकटों की दरों में कमी देखने को मिली। कुछ तिमाही में विमान टिकटों की कीमतें बढ़ाए जाने की चिंता के बीत केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हवाई किराये पर सरकार का नियंत्रण नहीं होता और विमान कंपनियों के पास पूर्व के नियमों और परिचालन आवश्यकताओं के हिसास से किराया तय करने की छूट होती है।

हालांकि सरकार यात्रियों की सुविधा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए बेहद ज्यादा किराया वसूले जाने से रोकने के लिए हस्तक्षेप करती है।

विमान कंपनियां यात्रियों के हितों का ध्यान रखते हुए किराया तय करते वक्त कई चीजें ध्यान रखती हैं। विशेषरूप से त्योहारों के समय कई क्षेत्रों में किराये में कमी देखने को मिली।

दक्षिण भारत में फंगल मचाएगा तबाही

> भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली.

जहां एक और उत्तर भारत में ठंड पड़ रही है तो वहीं, दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। दरअसल, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव कुछ घंटों में तूफान फेंगल में तब्दील हो हो सकता है। ये चक्रवात उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए तमिलनाडु के तट पर 30 नवंबर तक पहुंच सकता है।

तमिलनाडु और पुदुचेरी के तटीय इलाकों में मंगलावर से ही भारी बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण पुदुचरी के स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। इस बात की जानकारी पुदुचेरी के शिक्षामंत्री अरुमुगम नमसिवायम ने दी।

वहीं, मौसम विज्ञान विभाग ने भी तमिलनाडु और पुदुचेरी में तूफान फेंगल का असगर देखने को मिल सकता है। जिस वजह से दोनों जगहों पर भारी से भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, तटीय इलाकों में तेज हवाएं भी चल सकती है। तमिलनाडु के कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, विलुपुरम और कड्डलोर जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

वहीं उत्तर भारत में लगातार ठंड बढ़ रही है। कई राज्यों समेत राजस्थान में भी पारा लागतार गिर रहा है। राजस्थान के कई जिलों में तापमान 10 डिग्री के नीचे जा पहुंचा है। इस बीच मौसम विभाग ने राज्य में कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान के अजमेर में पारा 3.1 डिग्री और बाड़मेर में पारा 3.4 डिग्री तक गिर गया है। राजस्थान में कड़ाके की ठंड ने दस्तक दे दी है। राज्य के कई जिलों में पिछले दिनों न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम हो गया है। कुछ स्थानों पर कोहरा देखने को मिला। दिल्ली में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है।

इस ठंड से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्लीवासी शीतलहर से बीमार भी पड़ रहे है। इस शीतलहर के चलते लोगों ने घर से बाहर निकलना भी बंद कर दिया है।

तमिलनाडु के लिए रेड अलर्ट जारी

चेन्नई शहर और उपनगरों में भारी बारिश हो रही है। इस बीच, आईएमडी ने क्षेत्र में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, जिसमें कभी-कभी भारी बारिश भी हो सकती है। तमिलनाडु के चेन्नई और 9 अन्य जिलों में स्कूलों की आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी गई है। तमिलनाडु में चक्रवात फेंगल के कारण भारी बारिश को देखते हुए लिया गया।

मानव तस्करी मामले में एक्शन में एनआईए

> छह राज्यों में 22 जगहों पर छापामारी

नई दिल्ली.

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को मानव तस्करी के एक मामले में छह राज्यों में 22 जगहों पर छापेमारी की। राज्य पुलिस के साथ मिलकर एनआईए की अलग-अलग टीमों द्वारा सुबह से ही तलाशी अभियान जारी है। बता दें कि संगठित तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से यह जांच अभियान विशेष इनपुट के आधार पर संदिग्धों के ठिकानों पर चलाया गया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, कई राज्यों में छापे मारे गए, जिनमें कमजोर व्यक्तियों की तस्करी में शामिल संदिग्ध व्यक्तियों और संगठनों को निशाना बनाया गया। ये समन्वित तलाशी अभियान तस्करी कर जबरन श्रम और शोषण करवाने में लगे एक आपराधिक नेटवर्क की चल रही जांच का हिस्सा है। एनआईए ने स्थानीय पुलिस से मामले को अपने हाथ में ले लिया है। कथित तौर पर यह मामला राज्य की सीमाओं और संभवतः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों की तस्करी से जुड़ा है। भारत की प्रमुख आतंकवाद निरोधक और जांच एजेंसी एनआईए ने सीमा पार के सिंडिकेट से जुड़े एक बड़े संगठित नेटवर्क के संदेह के बाद मामले को अपने हाथ में ले लिया। भारत लंबे समय से मानव तस्करी के मुद्दे से जूझ रहा है, जिसमें हर साल हजारों लोग, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों से तस्करों के शिकार बनते हैं। कड़े कानूनों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद, तस्करी के नेटवर्क क्षेत्रों में तेजी से फैल रहे हैं।

एनआईए ने तेज की कार्रवाई

अधिकारियों ने हाल के वर्षों में मानव तस्करी से निपटने के प्रयासों को तेज कर दिया है, जिसमें तस्करों की आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने और पीड़ितों को बचाने पर अधिक ध्यान दिया गया है। एनआईए की छापामारी ऐसे अपराधों को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रियंका गांधी ने ली सांसद पद की शपथ

> हंगामे के बाद लोकसभा-राज्यसभा स्थगित

नई दिल्ली.

संसद के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को तीसरा दिन है। प्रियंका गांधी पहली बार संसद पहुंचीं। उन्होंने लोकसभा में सांसद पद की शपथ ली। इस दौरान हाथ में संविधान की कॉपी ली।प्रियंका के साथ उनकी मां सोनिया और राहुल गांधी भी संसद पहुंचे। प्रियंका वायनाड सीट से उपचुनाव जीती हैं। प्रियंका के साथ नांदेड़ से उपचुनाव जीतने वाले रविंद्र चव्हाण ने भी शपथ ली। इसके बाद लोकसभा में कार्यवाही शुरू होते ही अडाणी मुद्दे पर हंगामा होने लगा। राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। इसके बाद दोनों सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों को शांत रहने की अपील की और कहा कि वे सदन चलने दें, लेकिन विपक्षी सांसद नहीं माने। इसके बाद विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सोमवार से शुरू हुई लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही भी हंगामे की भेंट चढ़ चुकी है। विपक्ष सदन में गौतम अदाणी पर लगे आरोपों, यूपी के संभल में बवाल, मणिपुर हिंसा, बेरोजगारी और महंगाई समेत कई मुद्दों पर चर्चा की मांग करते हुए हंगामा कर रहा है।

ताजिकिस्तान में फिर आया भूकंप

दुशांबे. नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी ने बताया कि ताजिकिस्तान में 4.6 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी द्वारा साझा किए गए डेटा के अनुसार, यह पाया गया कि भूकंप 27 नवंबर को भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार रात 11:01 बजे आया। भूकंप का केंद्र 80 किलोमीटर की गहराई पर था। यह भूकंप ताजिकिस्तान के पामीर पर्वत श्रृंखला में गरम चश्मा हॉट स्प्रिंग्स के पास आया। भूकंप अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास आया, जिसे ताजिकिस्तान अफगानिस्तान के बॉर्डर के पास यह भूकंप आया। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी के अनुसार, 30 दिनों की अवधि में ताजिकिस्तान में आने वाला यह आठवाँ भूकंप है। पिछली रिपोर्ट में कहा था, "ताजिकिस्तान गणराज्य का क्षेत्र पूरी तरह से भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में आता है"।

दिल्ली सबसे असुरक्षित राजधानी: केजरीवाल

नई दिल्ली.

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली दुनिया की सबसे असुरक्षित राजधानी है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह कानून-व्यवस्था बनाने में असफल साबित हुए हैं. अरविंद केजरीवाल ने एक मैप भी जारी किया जिसमें यह दिखाने का प्रयत्न किया कि अमित शाह के आवास से कुछ किलोमीटर के दायरे में हाल के दिनों में कितनी आपराधिक घटनाएं हुई हैं.

केजरीवाल ने कहा, ``आज यह प्रेस कॉन्फ्रेंस भारी मन और दुख से करना पड़ रहा है. दिल्ली में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है. मुंबई की तरह गैंगवार दिख रहे हैं. आज दिल्ली दुनिया की सबसे असुरक्षित राजधानी है.

तीन महीने में यमुना पार में ही गौंगवार में 20 लोगों की जान गई है. 10 साल पहले मुझे एक जिम्मेदारी मिली थी, स्कूल, बिजली, स्वास्थ्य, पानी, मैंने ये सब ठीक किए. पानी में सुधार की स्थिति है. लेकिन दिल्ली में सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र की है.``

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे (बीजेपी) 'बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओ' की बात करते हैं. बेटियों को पढ़ाने की जिम्मेदारी हमारी थी, हमने पढ़ाया. बचाने की जिम्मेदारी आपकी थी आप बचाने में कामयाब रहा. दिल्ली को सबसे असुरक्षित राजधानी क्यों नहीं बनाया. 10 साल में इसे रोकने में क्या किया. दिल्ली के लोग जाएं तो जाएं कहां. दिल्ली के लोग भय में जी रहे हैं. आपसे नहीं संभल रही तो आप किसी और को दे दें.

पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा, ``दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी अमित शाह की है. अमित शाह 10 साल में कानून व्यवस्था ठीक करने में फेल हुए हैं. दिल्ली को रेप कैपिटल, गैंगस्टर कैपिटल कहा जा रहा है. आज महिलाएं और व्यापारी सबसे ज़्यादा डरे हुए हैं. कल मैं नांगलोई गया था, एक व्यापारी से मिलने जिनपर गोली चलाई गई थी. मैं केवल मिलने गया था लेकिन वहां बीजेपी के सांसद अपने लोगों को लेकर पहुंचे और मुझे रोका गया. मुझे रोकने से कुछ नहीं होगा अमित शाह.``

उन्होंने आगे कहा, ``पिछले एक साल में 160 फिरौती की कॉल आई है. कितनी कॉल ऐसी होगी जो आ रही है लोग बता नहीं रहे होंगे. एक व्यापारी को विदेश के नंबर से फिरौती कॉल आई, उसने नहीं दिया तो शूट आउट होती है ताकि वो डर के पैसे दे. आज दिल्ली में व्यापार करना गुनाह होता जा रहा है. यह सब घटना अमित शाह के घर से चंद किलोमीटर दूर घट रही है. अमित शाह अपने घर के 20 किमी के दायरे को सुरक्षित नहीं रख पा

थैंक्सगिविंग को लेकर सुनीता विलियम्स उत्साहित

नई दिल्ली.

भारतीय अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, वुच विल्मोर सहित अन्य अंतरिक्ष यात्री इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर थैंक्सगिविंग समारोह को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं। अमेरिका सहित अन्य देशों में मनाए जाने वाले थैंक्सगिविंग डे, जिसे नवंबर के आखिरी गुरुवार को मनाया जाता है, बेहद खास दिन है। इस दिन किसी भी उस इंसान व्यक्ति का आभार व्यक्त किया जाता है, जिसने किसी-न-किसी तरह से कभी-न-कभी आपकी मदद की है।

नासा के अंतरिक्ष यात्रियों ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से एक वीडियो संदेश के जरिए थैंक्सगिविंग डे की शुभकामनाएं दी हैं।

सुनीता विलियम्स ने थैंक्सगिविंग सप्ताह की शुरुआत मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी पर तथा उसके बाहर उद्योग को बेहतर बनाने के लिए कई उन्नत जीव विज्ञान औप प्रौद्योगिकी अध्ययनों के साथ की।

भारतीय सेना को मिले खास ड्रोन

> दुश्मन के बंकरों तक पलक झपकते ही पहुंच सकेगी सेना

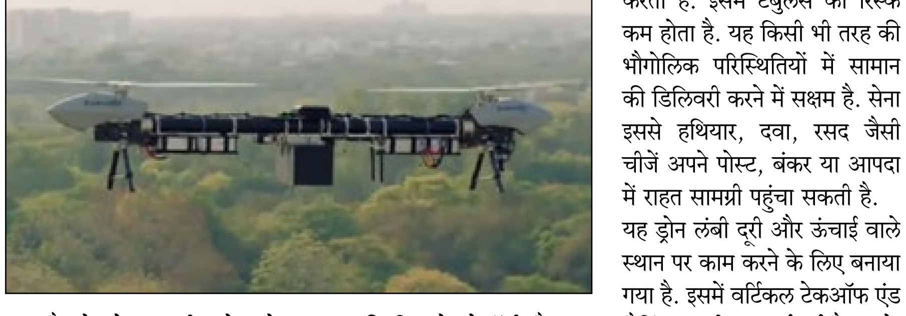

नई दिल्ली.

भारतीय सेना को दुश्मन से निपटने के लिए अनमैन्ड इलेक्ट्रिक सबल 20 लॉजिस्टिक्स ड्रोन मिले हैं. ये ड्रोन पलक झपकते ही कठिनाई वाले और हाई एल्टीट्यूड इलाकों में बनी पोस्ट, बंकर तक आसानी से पहुंच जाएंगे. साथी ही ये ड्रोन जवानों की तैनाती की कठिन से कठिन लोकेशन पर भी जा सकेंगे. आपदा एवं राहत कार्यों में भी ये ड्रोन आर्मी की मदद करेगा. इससे सेना के लॉजिस्टिक ऑपरेशन बढ़ेंगे और मैन पॉवर में भी बचत होगी. ड्रोन की मदद से कम समय में आसानी से खतरों की पहचान की जा सकेगी. कौन सी जगह सेना के लिए सुरक्षित हो सकती हैं, इसे भी ड्रोन की मदद से देखकर अंदाजा लगाया जा सकेगा.

भारतीय सेना को मिले ये एंड्योर एयर सिस्टम्स का नया ड्रोन सबल 20 है इसकी खूबियों को देखते हुए भारतीय सेना में इसे शामिल किया गया है. ये ड्रोन भारतीय सेना के पूर्वी थियेटर में काफी ज्यादा मदद करने वाला है. यह ऐसी जगहों पर सामान पहुंचा देगा है, जहां बड़े वाहन या ट्रक नहीं जा सकते थे. ये उन तमाम लोकेशन पर आसानी से उड़ान भरेगा जहां, सैनिकों को पहुंचने और वापस लौटने में ज्यादा दिक्कत होती है.

सबल 20 एक इलेक्ट्रिक अनमैन्ड सिस्टम है. इसमें कई तरह की पिच टेक्नोलॉजी है. यह अपने साथ 20 किलोग्राम वजन तक के सामान को उठाकर उड़ान भर सकता है. इसकी सबसे खास बात ये है कि यह अपने वजन का 50 फीसदी वजन ले जाने में सक्षम है. ये ड्रोन इतना वजन लेकर लंबी उड़ान भर सकता है. सबल ड्रोन की डिजाइन चिनूक हेलिकॉप्टर से प्रेरित है. इसकी डिजाइन इसे बेहतर स्थिरता, ऊंचाई वाले स्थानों पर सटीक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है. इसमें टर्बुलेंस का रिस्क कम होता है. यह किसी भी तरह की भौगोलिक परिस्थितियों में सामान की डिलिवरी करने में सक्षम है. सेना इससे हथियार, दवा, रसद जैसी चीजें अपने पोस्ट, बंकर या आपदा में राहत सामग्री पहुंचा सकती है.

यह ड्रोन लंबी दूरी और ऊंचाई वाले स्थान पर काम करने के लिए बनाया गया है. इसमें वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग तकनीक लगाई गई है. इसके पंखों का आरपीएम कम है,

इसलिए इसमें आवाज भी बहुत कम है. यानि इसकी मदद से आर्मी यदि दुश्मन या आतंकियों को निशाना बना रही है तो ये गुपचुप तरीके से दुर्गम लोकेशंस पर गोली, बारूद और हथियार तक पहुंचा सकता है. अपने स्पेशल फीचर्स के कारण दुश्मन को इसके आने की कानों कान खबर भी नहीं होगी.

भ्रष्टाचार के मामले में घिरने वाले तीसरे रक्षा मंत्री

बीजिंग. चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सेना ने अपने ही रक्षा मंत्री के खिलाफ जांच बैठा दी है. दरअसल डिफेंस मिनिस्टर डोंग जुन पर पीपल्स लिबरेशन आर्मी में भ्रष्टाचार से जुड़े कई गंभीर आरोप लगे हैं, जिसकी जांच की जा रही है. हैरानी की बात ये है कि डोंग जुन 11 महीने पहले ही चीन के रक्षा मंत्री बने थे और वह भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरने वाले चीन के तीसरे रक्षा मंत्री हैं. इससे पहले भी चीन के 2 रक्षा मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में ही कुर्सी छोड़नी पड़ी थी. ब्रिटिश अखबार द फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट में मामले की जानकारी रखने वाले पूर्व और वर्तमान अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि डोंग जुन, चीन की सेना में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत जांच के घेरे में आने वाले नए अधिकारी हैं.

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने किया चिन्मय दास का समर्थन

ढाका.

चटगांव में हिंसा के बाद इस्कॉन के पूर्व प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद से बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का बयान सामने आया है. उन्होंने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को जमकर निशाना साधा और हिंदू पुजारी चिन्मय दास का समर्थन करते हुए कहा कि सनातन धर्म समुदाय के एक शीर्ष नेता को अन्यायपूर्ण तरीके से गिरफ्तार किया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए. शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश आवामी लीग के ऑफिशियल फेसबुक पेज पर पूर्व पीएम द्वारा संबोधित लंबा चौड़ा पोस्ट शेयर किया गया. इसमें शेख हसीना के माध्यम से कहा गया, "चटगांव में एक वकील की हत्या कर दी गई है, इस हत्या का कड़ा विरोध किया गया है. इस हत्या में शामिल लोगों को जल्द से जल्द ढूंढकर सजा दी जानी चाहिए. इस घटना से मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन हुआ है. एक वकील अपने पेशेवर कर्तव्यों का पालन करने गया था, और उसे पीट-पीटकर मार डालने वाले आतंकवादी हैं. वे जो भी हों, उन्हें सजा मिलनी चाहिए."

पूर्व प्रधानमंत्री ने आगे कहा, "यदि असंवैधानिक रूप से सत्ता हथियाने वाली यूनुस सरकार इन आतंकवादियों को दंडित करने में विफल रहती है, तो उसे मानवाधिकार उल्लंघन के लिए भी सजा का सामना करना पड़ेगा. मैं देश के लोगों से इस तरह के आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ एकजुट होने की अपील करती हूं. आम लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है.

उन्होंने कहा, "वर्तमान सत्ताधारी सभी क्षेत्रों में विफल दिख रहे हैं. दैनिक आवश्यकताओं की कीमतों को नियंत्रित करने में विफल, लोगों के जीवन की सुरक्षा प्रदान करने में विफल. आम लोगों पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हो रहे इन अत्याचारों की कड़ी निंदा करती हूं. सनातन धर्म समुदाय के एक शीर्ष नेता को अन्यायपूर्ण तरीके से गिरफ्तार किया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए. चटगांव में एक मंदिर को जला दिया गया है. इससे पहले अहमदिया समुदाय की मस्जिदों, दरगाहों, चर्चों, मठों और घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई, लूटपाट की गई और आग लगा दी गई.

सभी समुदायों के लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए."शेख हसीना ने कहा कि अवामी लीग के असंख्य नेताओं और कार्यकर्ताओं, छात्रों और कानून व्यवस्था बलों के सदस्यों की हत्या के बाद, हमले और गिरफ्तारी के माध्यम से उत्पीड़न जारी है. मैं इन अराजकतावादी गतिविधियों की कड़ी निंदा करता हूं और विरोध करता हूं.